दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत
RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री

शुक्रवार 08 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :47 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 07 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 लाड़ली बहना के चेहरों पर मोहन ने लौटाई मुस्कान

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 294 | गाजियाबाद, शुक्रवार 08 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

राहुल का आरोप, ईसी ने बीजेपी के साथ चुनाव चुराया

● कांग्रेस नेता ने स्क्रीन पर वोटर लिस्ट दिखाकर किया है दावा ● महाराष्ट्र में 40 लाख संदिग्ध नाम, कर्नाटक में भी फर्जीवाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ पर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रजेंटेशन दिया। राहुल ने स्क्रीन पर कर्नाटक की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में संदिग्ध वोटर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे देखने के बाद हमारा शक पुख्ता हुआ कि चुनाव में चोरी हुई है। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट नहीं देने से हमें भरोसा हुआ कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र के चुनाव की चोरी की है। राहुल ने कहा कि हमने यहां वोट चोरी का एक मॉडल पेश किया, मुझे लगता है कि इसी मॉडल का प्रयोग देश की कई लोकसभाओं और विधानसभाओं में हुआ। कर्नाटक में एक ही व्यक्ति का नाम अलग-अलग बूथ की वोटर लिस्ट में मौजूद है। लिस्ट में कई जगह लोगों के फोटो नहीं हैं। वहीं, कई जगह फर्जी पते लिखे गए हैं। कर्नाटक की महादेवपुरा असेंबली सीट की वोटर लिस्ट स्क्रीन पर दिखाते हुए राहुल ने कहा कि यहां के 6.5 लाख वोट में से 1 लाख वोटों की चोरी हुई है। कांग्रेस के रिसर्च में यहां एक लाख के करीब गलत पता और एक ही पते पर बल्क वोटर और डुप्लीकेट वोटर्स का पता चला। कर्नाटक में हमें 16 सीटों पर जीत मिलती, लेकिन हम सिर्फ 9 सीटों पर जीते। हमने इन सात हारी हुई सीटों में से एक सीट पर जांच-पड़ताल की।

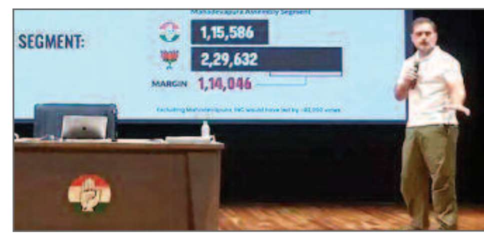

उधमपुर सड़क हादसे में CRPF के दो जवान शहीद, खड़गे और प्रियंका गांधी ने जताया दुख

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वाहन के गहरी खाई में गिरने की दुखद घटना पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने इस हादसे में शहीद हुए जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा, "जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक सड़क दुर्घटना में सीआरपीएफ के तीन जवानों की शहादत से अत्यंत व्यथित हूं। इस भयानक त्रासदी में कई अन्य घायल हुए हैं। उनके बलिदान को हमारी भावभीनी श्रद्धांजलि। वीर जवानों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।"

अमेरिका वापस न ले फैसला तो भारत भी लगाए 50 प्रतिशत टैरिफ : शशि थरूर

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारत पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को अमेरिका के फैसलों पर जवाब देना चाहिए और भारत की तरफ से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाना चाहिए। अमेरिकी टैरिफ के भारत पर असर को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि इसका निश्चित रूप से असर होगा, क्योंकि हमारा उनके साथ 90 अरब डॉलर का व्यापार है। अगर हर चीज 50 प्रतिशत महंगी हो जाएंगी तो खरीदार भी सोचेंगे कि वे भारतीय चीजें क्यों खरीदें? गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि शशि थरूर ने आगे कहा, "डोनाल्ड ट्रंप ने 25 प्रतिशत जो टैरिफ बढ़ाया है, वह गलत है। यह उसने इसलिए लगाया कि हम रूस से तेल खरीद रहे हैं, लेकिन चीन भारत से भी कहीं ज्यादा तेल रूस से खरीद रहा है। अमेरिका ने टैरिफ को लेकर चीन को 90 दिन का समय दिया है, लेकिन भारत को सिर्फ 3 हफ्ते का समय दिया है।"

विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोक सभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी।

दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों के सदस्य बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया वापस लेने की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। कुछ सदस्य सदन के बीचोंबीच आकर शोरगुल और हंगामा करने लगे। कई सदस्य हाथों में तख्तियां लिये थे, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे थे।

पीठासीन अधिकारी जगदम्बिका पाल ने सदस्यों से कहा कि वे हंगामा न करें मणिपुर से संबंधित विधेयक पारित किये जाने हैं, वे अपने-अपने स्थानों पर जायें और कार्यवाही सुचारु रूप से चलने दें।

हंगामे के बीच ही मणिपुर से संबंधित दो विधेयक पारित किये गये। विधेयकों के पारित होने के बाद श्री पाल ने फिर सदस्यों से हंगामा न करने और कार्यवाही सुचारु रूप से चलने देने का आग्रह किया लेकिन उनकी अपील का कोई असर नहीं हुआ और विपक्षी दलों के सदस्य शोरगुल करते रहे। हंगामा रुकते न देख श्री पाल ने सदन की कार्यवाही शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले आज अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्वाह्न 11 बजे जैसे ही प्रश्नकाल आरंभ किया तो विपक्षी दलों के सदस्य हाथों में तख्तियां लेकर और नारेबाजी करते हुए सदन के बीचों-बीच आ गये और शोरशराबा करते हुए हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच उन्होंने शहरी आवास मंत्रालय से संबंधित प्रश्न पर सदन की कार्यवाही चलने का प्रयास किया लेकिन और शोर शराबे के कारण कुछ सुनाई नहीं दिया।

शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल जैसे ही जवाब देने के लिए खड़े हुए लेकिन हंगामे के कारण सदन में कुछ भी सुनाई नहीं दिया। श्री बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा कि जब सरकार उनकी बात सुनने को तैयार हैं और वह भी संसद के नियमों के तहत हर मुद्दे पर चर्चा की अनुमति दे रहे हैं तो सदस्यों को हंगामा नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रश्न काल महत्वपूर्ण समय होता है, सदस्यों को जनता ने उम्मीद से चुनकर भेजा होता है। उन्होंने कहा, " मैं रोज आपसे सदन चलाने का आग्रह करता हूं लेकिन आप हर दिन नियोजित तरीके से सदन को बाधित करते हैं।

नियम और प्रक्रियाओं के तहत सदन की कार्यवाही चलना हम सब की जिम्मेदारी है। देश की जनता देख रही है कि सदन में विपक्षी सदस्य हंगामा कर मर्यादाओं का पालन नहीं कर रहे हैं। मैं सभी सदस्यों से अपनी सीट पर जाकर सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने का आग्रह करता हूं।"

हंगामा कर रहे सदस्यों पर जब श्री बिरला के आग्रह का कोई असर नहीं हुआ और हंगामा बढ़ता ही गया, तो उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

एक बार स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे कार्यवाही फिर शुरू होते ही विपक्षी सदस्य सदन के बीचों-बीच आकर नारेबाजी करने लगे। पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने हंगामे के बीच जरूरी कागजात सभा पटल पर रखवाये। शोरशराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मणिपुर वश्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया।

राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा का पलटवार, देश की जनता का कर रहे अपमान

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली हुई है। राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा नेताओं ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हर बार संवैधानिक संस्था पर हमला किया है।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, "ऐसा पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्था पर हमला किया है। मगर, सवाल यह उठता है कि जब तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और झारखंड में उनकी जीत होती है तो वह वोटर लिस्ट लेकर क्यों नहीं सबको दिखाते हैं? एक बार भी उन्होंने ऐसा काम नहीं किया है। मैं उनको बताना चाहता हूं कि लोगों में उनकी पैठ नहीं है और उनकी बजाय पीएम मोदी के प्रति प्यार का स्वाभाव है और इसलिए जनता उन्हें चुनती है।"

उन्होंने कहा, "राहुल गांधी को अपने सहयोगी तेजस्वी यादव के दोनों वोटर आईडी कार्ड भी दिखाने चाहिए थे और बताना चाहिए था कि उनके दो वोटर आईडी कार्ड में से एक को लिस्ट से हटा दिया गया है, लेकिन उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।" भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर निशाना साधा।

हाईवे की हालत खराब, फिर किस बात का 'टोल टैक्स'

● केरल हाईकोर्ट ने एनएचएआई को दिखाया आईना, जमकर फटकारा

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया को कड़ी फटकार लगाते हुए एक नेशनल हाईवे पर चार हफ्तों के लिए टोल टैक्स वसूलने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने एडापल्ली से मन्नुथी जाने वाले नेशनल हाईवे-544 की खराब हालत के बाद भी वसूले जा रहे टोल टैक्स को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। कोर्ट के मुताबिक जब पूरे रोड की हालत खराब है और व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है तो फिर वह जनता से किस बात का टोल वसूल कर रहे हैं। जस्टिस ए. मुहम्मद मुस्ताक और जस्टिस हरिशंकर वी. मेनन की बेंच ने इस मामले में एनएचएआई को भी जमकर लताड़ लगाई।

यूपीएससी साक्षात्कार में असफल उम्मीदवारों को प्रतिभा-सेतु पोर्टल से मिलेगा रोजगार

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

केंद्र सरकार ने सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) के साक्षात्कार तक पहुंचने वाले, लेकिन चयनित न हो पाने वाले हजारों उम्मीदवारों को राहत देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने 'प्रतिभा-सेतु' पोर्टल की शुरुआत की है, ताकि इन मेधावी लेकिन यूपीएससी साक्षात्कार में असफल उम्मीदवारों को प्रतिभा-सेतु पोर्टल से मिलेगा रोजगार उम्मीदवारों को निजी व सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक कुल 52,910 उम्मीदवारों ने यूपीएससी साक्षात्कार में हिस्सा लिया, जिनमें से 33,950 उम्मीदवारों का अंतिम चयन नहीं हो सका। इन्हीं उम्मीदवारों के लिए सरकार ने पब्लिक डिस्क्लोजर स्कीम और हाल ही में प्रतिभा-सेतु पोर्टल की शुरुआत की है। इस योजना के तहत यूपीएससी और अन्य सरकारी भर्ती एजेंसियां उन उम्मीदवारों की जानकारी साझा करती हैं, जिन्होंने परीक्षा की एक या एक से अधिक चरण सफलतापूर्वक पार किए हैं, लेकिन अंतिम चयन सूची में स्थान नहीं बना पाए। ये विवरण अब नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल और यूपीएससी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जिन्हें निजी कंपनियां, सार्वजनिक उपक्रम और अन्य संगठन अपने यहां भर्ती के लिए उपयोग कर सकते हैं। सरकार का मानना है कि ये उम्मीदवार उच्च श्तर की तैयारी और योग्यता रखते हैं और इन्हें अन्य क्षेत्रों में अवसर देकर देश की प्रतिभा का समुचित उपयोग किया जा सकता है।

अमेरिका ने लगाया टैरिफ तो भारत के दोस्त ने दी गुड न्यूज!

जल्द भारत आ रहे पुतिन, यूक्रेन वॉर के बाद पहला भारत दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। इस बीच खबर है कि रूस के राष्ट्रपति जल्द ही भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मॉस्को की अपनी यात्रा के दौरान बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही भारत यात्रा पर आएंगे। हालांकि, पुतिन की यात्रा की अभी तारीख तय नहीं हुई हैं। हालांकि, रूस की सरकारी समाचार एजेंसी स्पुतनिक ने बताया है कि यह यात्रा अगस्त के अंत में होने की संभावना है। वहीं, कई रिपोर्ट में कहा गया है कि यात्रा को लेकर अगस्त की संभावित समय सही नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि हमारे बीच एक विशेष, दीर्घकालिक संबंध रहा है। हम इस संबंध को महत्व देते हैं।

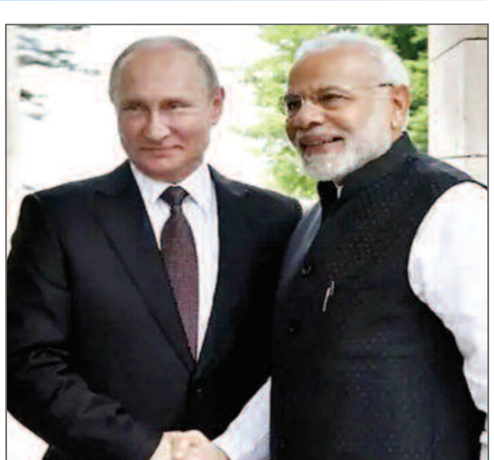

रूस के साथ मजबूत होंगे अपने संबंध

भारत ने नए टैरिफ को अनुचित, अनुचित और अविवेकपूर्ण कहा है। साथ ही मास्को के साथ अपने ऊर्जा संबंधों का बचाव किया है। भारत ने इस बात पर जोर देते हुए कि रूस से तेल खरीद वैध है और राष्ट्रीय हित द्वारा निर्देशित है। व्लादिमीर पुतिन की यात्रा से भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की पुष्टि होने की उम्मीद है। भले ही नई दिल्ली को वैश्विक विभाजन के बीच अपनी विदेश नीति को फिर से मापने के लिए बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। टैरिफ लगाए जाने के फैसले पर प्रतिक्रिया दी।

कबूतरों को दाना डालने पर मुंबई में नया बवाल

● सड़क पर उतरा गुजराती-जैन समुदाय, सीएम को देना पड़ा दखल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में मराठी-गैर मराठी विवाद के बाद अब एक नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। बीएमसी चुनावों से पहले उठा यह विवाद अब सियासी रंग लेने लगा है और धीरे-धीरे स्थानीय बनाम बाहरी की लड़ाई का मुद्दा बनता जा रहा है। दरअसल, कबूतरों को दाना डालने की वजह से स्थानीय और बाहरी यानी जैन और गुजराती समुदाय के बीच तनातनी बढ़ गई है। स्थानीय लोग इस बात का विरोध कर रहे हैं कि जैन और गुजराती समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर दादर कबूतरखाने के ऊपर से तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना क्यों डाला। बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद कबूतरखाने के ऊपर तिरपाल डाल दिया गया था। जैन समुदाय और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस प्रतिबंध का विरोध किया है।

एनडीए का फैसला

उपराष्ट्रपति कैंडीडेट मोदी-नड्डा तय करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का गुरुवार को 14वां दिन था। आज भी विपक्ष के प्रदर्शन के चलते लोकसभा और राज्यसभा में पूरे दिन की कार्यवाही नहीं हो सकी। बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा व राज्यसभा को कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस बीच नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के सदन में नेताओं की बैठक हुई। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ ही संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू शामिल हुए। मीटिंग के बाद रिजिजू ने बताया कि मीटिंग में एनडीए ने प्रस्तावना पास करते हुए उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कैंडीडेट का नाम तय करने का अधिकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा को सौंपा है।

इधर, लोकसभा में आज नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) बिल, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने पर फैसला नहीं हो सका। विपक्ष ने दोनों बिल को जेपीसी के पास भेजने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच सब ठीक नहीं?

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे के आदेश को पलट दिया है जिसके बाद उनके बीच मतभेदों को और हवा मिल गई है। यहां मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक ही पद पर नियुक्ति को लेकर अलग-अलग आदेश जारी कर दिए। इसके बाद एक ही पद पर दो अलग-अलग उम्मीदवारों की नियुक्ति को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई। जानकारी के मुताबिक शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शहरी विकास विभाग ने अश्विनी जोशी को बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन प्रशासन के महाप्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया था। हालांकि इसके ठीक बाद मुख्यमंत्री फडणवीस के ऑफिस ने भी एक आदेश जारी कर शिंदे के आदेश को पलट दिया और उस पद पर आशीष शर्मा को नियुक्त कर दिया। इससे पहले हाल ही में इस पद को संभाल रहे महाप्रबंधक एसवीआर श्रीनिवास रिटायर हो गए थे। राज्य सरकार को अगले जनरल मैनेजर के पद के लिए अधिकारी की नियुक्ति करनी थी, जिसके बाद शिंदे और फडणवीस ने दो-दो अधिकारियों को एक ही पद दे दिया। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधने से नहीं चुकी। एनसीपी (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर कहा, महायुति सरकार का 'सर्वश्रेष्ठ समन्वय'। इस बीच इंडिया टुडे ने बताया कि इस मामले पर फडणवीस से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई तो उन्होंने जवाब दिया है कि उन्हें इस विषय की कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि देवेंद्र फडणवीस के सीएम पद की शपथ लेने के बाद से ही उनके और एकनाथ शिंदे के बीच अनबन की अफवाहें चल रही हैं। इससे पहले बीते फरवरी में भी फडणवीस ने शिंदे के कुछ फैसलों को पलट दिया था जिसके बाद अफवाहों को और बल मिला था।

छत्तीसगढ़ में जमीन के नीचे मिला बड़ा खजाना

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में जमीन के नीचे भारी मात्रा में खजाना की खोज हुई है। 'मेसर्स डेक्कन गोल्ड माइनिंग लिमिटेड' ने हाल ही में राज्य के ज्वाइंट लाइसेंस एरिया में तीन कीमती खनिजों की खोज की है। इन खनिजों के नाम निकल, क्रोमियम और प्लेटिनम हैं। अधिकारियों के मुताबिक ये खोज महासमुंद जिले के भालुकोना-जामनीडीह निकल, क्रोमियम और पीजीई ब्लॉक में हुई है। ये इलाका लगभग तीन हजार हेक्टेयर में फैला हुआ है। इस इलाके की शुरूआती खोजबीन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा जी 4 स्तर पर की गई थी। इसके बाद ये संभावना दिखाई पड़ी थी कि यहां इन खनिजों की मौजूदगी हो सकती है। इस आधार पर, छत्तीसगढ़ शासन के खनिज साधन विभाग के तहत आने वाले भूविज्ञान एवं खनिकर्म संचालनालय (डीजीएम) ने आगे का काम किया। डीजीएम ने बड़े पैमाने पर भू-वैज्ञानिक आंकड़ों को जुटाया और फिर ब्लॉक की ई-नीलामी प्रक्रिया पूरी कराई। अधिकारियों ने बताया कि छह मार्च 2023 को ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी हो गई। इसमें डीजीएमएल ने 21 फीसदी सबसे ऊंची बोली लगाकर इसे हासिल किया। इसके बाद डीजीएम छत्तीसगढ़ द्वारा खोजबीन कार्यों को तेजी से करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग प्रदान किया गया। खनिज तत्वों की खोज की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने खुश होते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक खोज राज्य और देश के लिए बेहद जरूरी खनिज संसाधनों को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा, यह 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन की भावना को सशक्त करती है और रणनीतिक क्षेत्रों में सतत एवं आत्मनिर्भर विकास को प्रोत्साहित करती है। छत्तीसगढ़ शासन वैज्ञानिक एवं विस्तृत खनिज अन्वेषण तथा विकास को पूर्ण समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजस्थान में एक बंदूकधारी ने खुलेआम घूम-घूमकर 25 कुत्तों को मारी गोली

झुंझुनू, एजेंसी।
राजस्थान के झुंझुनूं जिले से एक ऐसी खौफनाक वारदात सामने आई है जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। नवलगढ़ क्षेत्र के कुमावास गांव में एक बंदूकधारी दरिंदा पिछले दो दिन से खुलेआम घूम-घूमकर कुत्तों को गोली मार रहा है। 2 और 3 अगस्त की रातें इस गांव के लिए किसी काले साए से कम नहीं थीं। गांव की गलियों में खून बहता रहा और जानवर एक-एक कर दम तोड़ते रहे।

ये कोई एक-दो जानवरों की हत्या नहीं है–पूरा मामला 25 से ज्यादा बेजुबानों की निर्मम हत्या से जुड़ा है। जैसे ही कुत्ता नजर आया, बदमाश ने बिना कुछ सोचे फायरिंग शुरू कर दी। सनसनी तब फैली जब इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है और कुत्तों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहा है।

वीडियो के वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और हेड कॉन्स्टेबल शुभकरण को तत्काल जांच के लिए मौके पर भेजा गया। गांव पहुंचने पर दृश्य और भी भयानक निकले। जगह-जगह खून से सने कुत्तों के शव पड़े मिले। कुछ अभी भी तड़प रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया कि इस खूनी खेल का मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि डुमरा गांव का रहने वाला श्योचंद बावरिया है। उसने ही अपनी बंदूक से कुत्तों की जान ली। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर

लिया गया है और गिरफ्तारी की तैयारी चल रही है। इधर गांव में तनाव है, आक्रोश है और डर भी। लोगों का कहना है कि इस तरह की बेरहमी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। बच्चों और बुजुर्गों में डर का माहौल है–आज कुत्ते मरे हैं, कल किसी इंसान को गोली मार दी गई तो?

गांव की पूर्व सरपंच सरोज झांझड़िया ने इस पर मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने एसपी से मुलाकात कर पूरे मामले की शिकायत की और बताया कि आरोपी श्योचंद ने जानबूझकर ये हत्याएं की हैं। उसका दावा कि कुत्तों ने उसकी बकरियों को मारा था–बिलकुल झूठा है। न तो किसी की बकरी मरी और न ही किसी पर कुत्तों ने हमला किया।

पूर्व सरपंच का यह भी कहना है कि आरोपी और उसके कुछ साथी एक साजिश के तहत यह सब कर रहे हैं। उन्होंने शक जताया कि यह गैंग करीब 5 महीने पहले भी गांव में आया था और अब दोबारा आकर खौफ फैलाने की कोशिश कर रहा है। उनका मकसद है–पहले जानवरों को मारो, फिर झूठा बहाना बनाकर मुआवजा मांगो।

इस पूरी वारदात ने न सिर्फ झुंझुनूं बल्कि पूरे राजस्थान को हिला कर रख दिया है। जानवरों की इतनी निर्मम हत्या, वह भी खुलेआम–कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। लोग पूछ रहे हैं–अगर अब भी गिरफ्तारी नहीं हुई, तो अगला निशाना कौन होगा?

पुलिस कह रही है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा, लेकिन गांव वालों की बेचैनी बढ़ती जा रही है। जब तक श्योचंद सलाखों के पीछे नहीं पहुंचता, कुमावास की रातें चैन से नहीं कटेंगी। अब देखना ये है कि क्या प्रशासन इस खूनी शिकारी को पकड़ पाएगा या फिर एक और वीडियो का इंतजार किया जाएगा?

बेटी ने देख लिया मम्मी का गंदा वीडियो तो हो गया पापा का मर्डर, सोनी बड़ी शातिर निकली

गुरुग्राम, एजेंसी।
10 साल की बेटी मां के फोन में कुछ देख रही थी कि अचानक उसने गैलरी को टच कर दिया और नजर इसमें पड़े कुछ गंदे वीडियो पर पड़ गई। इसके बाद जो कुछ हुआ उसे जानकर आप उतने ही चौंक जाएंगे जितनी हैरान गुरुग्राम की पुलिस हुई। फोन की गैलरी से खुले राज को दबाने के लिए उस बच्ची की मां ने पहले अपने पति को मरवा डाला और फिर उस प्रेमी की गर्दन फंसवाने की कोशिश की जिसके हाथों उसने अपने सुहाग को खत्म करा दिया था। लेकिन कुछ गलतियों की वजह से वह पकड़ी गई और अब सलाखों के पीछे है।

हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस ने महिला समेत पांच लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पत्नी की साजिश का शिकार होकर मारे गए शख्स का नाम विक्रम है जिसकी उम्र 37 साल थी और वह मूल रूप से बिहार के नवादा का रहने वाला था। विक्रम अपनी पत्नी सोनी (35) और दो बच्चों के साथ गुरुग्राम के उद्योग विहार में रहता था।

28 जुलाई को सोनी देवी गुरुग्राम पुलिस के पास पहुंची और पति के

गुमशुदा होने की जानकारी दी। तीन दिन बाद 31 जुलाई को वह दोबारा थाने पहुंची और रविंद्र (34) नाम के एक पड़ोसी के खिलाफ शिकायत देते हुए रेप का आरोप लगाया। सोनी ने पुलिस को बताया कि मार्च 2024 में जब उसके पति काम से बाहर गए थे तो रविंद्र ने उसके साथ रेप किया और पति को मारने की धमकी भी देता था। सोनी ने दावा किया कि रविंद्र ने वीडियो बना लिया था और धमकी दिया करता था कि किसी को बताया तो सार्वजनिक कर देगा। रविंद्र की गिरफ्तारी के बाद घूमी कहानी इसके बाद पुलिस ने रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि दीपक की वह हत्या कर चुका है। इस दौरान उसने यह भी खुलासा किया कि सोनी ने ही उसे वारदात को अंजाम देने को कहा था। उसने बताया कि सोनी के साथ उसका लंबे समय से संबंध था। अब उसकी बेटी ने फोन में वीडियो और तस्वीरें देख लीं और पिता को बताया तो सोनी ने विक्रम की हत्या की साजिश रची। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोनी देवी और रविंद्र के बीच करीब एक साल से अफेयर था। विक्रम जब ऑफिस जाता था।

हाईवे की हालत खराब, फिर किस बात का 'टोल टैक्स'?

केरल हाईकोर्ट ने एनएचएआई को फटकारा

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।
केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को कड़ी फटकार लगाते हुए एक नेशनल हाईवे पर चार हफ्तों के लिए टोल टैक्स वसूलने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने एडापल्ली से मन्नुथी जाने वाले नेशनल हाईवे-544 की खराब हालत के बाद भी वसूले जा रहे टोल टैक्स को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। कोर्ट के मुताबिक जब पूरे रोड की हालत खराब है और व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है तो फिर वह जनता से किस बात का टोल वसूल कर रहे हैं।

जस्टिस ए. मुहम्मद मुस्ताक और जस्टिस हरिशंकर वी. मेनन की बेंच ने इस मामले में एनएचएआई को भी जमकर लताड़ लगाई। कोर्ट ने कहा कि एनएचएआई और उसके एजेंट्स की यह जिम्मेदारी है कि वह जनता के लिए सुरक्षित और आसान जगह बनाएँ। अगर किसी कारण से यह संभव नहीं है, तो फिर टोल

टैक्स वसूलना कानूनी रूप से गलत है। कोर्ट ने कहा कि जनता और सरकार के बीच में एक भरोसे का रिश्ता होता है, जब सरकार उस भरोसे पर खरा नहीं उतर पा रही है तो वह जनता के ऊपर जबरदस्ती टैक्स नहीं थोप सकती।

इतना ही नहीं कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि कोई भी कॉन्ट्रैक्ट या समझौता आम जनता के हितों से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है। अगर सड़कें इस्तेमाल लायक नहीं है, तो केवल समझौते या कॉन्ट्रेक्ट का बहाना देकर टोल वसूल करना पूरी तरह से गलत है। इसके साथ ही कोर्ट ने चार हफ्तों के लिए टोल वसूलने पर पाबंदी लगा दी और केंद्र सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें जनता की शिकायतों को सुनते हुए इसका समाधान निकालना होगा। गौरतलब है कि यह स्थानीय लोगों ने काफी पहले से कोर्ट में इस हाईवे की खराब हालत और यहां वसूले जाने वाले टोल के ऊपर याचिका दर्ज की थी। कोर्ट ने शुरुआती तौर पर इस मामले में सुनवाई करते हुए एनएचएआई को सलाह दी थी।

पत्नी ने कान में जहर देकर पति को मार डाला, हत्या का तरीका यूटयूब से सीखा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के करिमनगर में एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर अपने पति की निर्मम हत्या कर दी। इस हत्या की साजिश इतनी ठंडे दिमाग से रची गई थी कि महिला ने इसे अंजाम देने के लिए यूट्यूब का सहारा लिया। मृतक की पहचान संपथ के रूप में हुई है, जो एक पुस्तकालय में सफाईकर्मी था। वह शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे की हालत में पत्नी रामादेवी से झगड़ा करता था। परिवार में दो बच्चे हैं, जिनका भरण-पोषण रामादेवी अपने नाश्ते की दुकान से करती थी। नाश्ते की दुकान पर ही रामादेवी की मुलाकात 50 साल के कर्रे राजय्या से हुई। बाद में दोनों के अवैध संबंध बन गए। पुलिस जांच में सामने आया कि रामादेवी ने अपने पति से छुटकारा पाने की ठान ली थी। इसके लिए उसने यूट्यूब पर खोजबीन कर एक वीडियो देखा जिसमें कीटनाशक को किसी के कान में डालकर हत्या करने का तरीका बताया गया था। रामादेवी ने यह खौफनाक योजना अपने प्रेमी राजय्या को बताई। इसके बाद दोनों ने मर्डर की योजना बनाई। हत्या वाली रात राजय्या और उसके दोस्त श्रीनिवास ने संपथ को बॉम्माकल फ्लाईओवर के पास शराब पीने के बहाने बुलाया। शराब पीने के बाद जैसे ही संपथ नशे की हालत में जमीन पर गिरा, राजय्या ने उसके कान में कीटनाशक डाल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद, राजय्या ने रामादेवी को कॉल कर सूचित किया कि काम हो गया है। अगले दिन रामादेवी ने पुलिस थाने जाकर संपथ की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई, जैसे वह कुछ नहीं जानती हो। लेकिन पुलिस को शक तब हुआ जब 1 अगस्त को संपथ का शव मिलने के बाद, रामादेवी और राजय्या दोनों ने एक सुर में कहा कि पोस्टमार्टम न कराया जाए। इस मांग ने पुलिस को और सतर्क कर दिया। मृतक के बेटे ने भी मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से जांच की मांग की। पुलिस ने जब फोन कॉल डेटा, लोकेशन ट्रैकिंग और सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो साजिश की परतें खुलने लगीं। तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई,

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, 24 लाख के छह इनामी समेत नौ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को उस वक्त बड़ी कामयाबी मिली, जब 24 लाख रुपए के छह इनामी नक्सलियों समेत कुल नौ नक्सलियों ने उनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस बारे में जानकारी देते हुए बुधवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की संबंधित नीति के तहत पुनर्वास के लिए 50-50 हजार रुपए के चेक दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की पहचान बक्सू ओयाम (27), बुधराम पोटाम (36), हिड़मा ऊर्फ हिरिया (26), मंगू उईका ऊर्फ टो?गी (38), रोशन कारम ऊर्फ सोनू (24), मंगलों पोड़ियाम (23), कमलू हेमला ऊर्फ कुम्मा (28), बुधराम हेमला (47) और पण्डरू पूनेम (38) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सली बक्सू ओयाम माड़ डिवीजन के अंतर्गत कंपनी नंबर एक में पार्टी सदस्य था और उस पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। जबकि एरिया कमेटी सदस्य बुधराम पोटाम और हिड़मा ऊर्फ हिरिया पर पांच–पांच लाख रुपए का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि मंगू उईका के अलावा

चिन्नापल्ली एरिया कमेटी पार्टी के सदस्य रोशन कारम और भैरमगढ एरिया कमेटी पार्टी सदस्य मंगलों पोड़ियाम पर दो-दो लाख रुपए का इनाम रखा गया था।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों का ग्रामीणों के साथ हो रहा सकारात्मक संवाद, सामुदायिक पुलिसिंग के तहत दी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के व्यापक प्रचार प्रसार से नक्सलियों का माओवादी संगठन से मोहभंग हुआ है। साथ ही संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर पारिवारिक जीवन जीने की चाह के कारण नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिले में इस साल एक जनवरी से अब तक 310 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा 277 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 131 माओवादी मारे गए हैं।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में ट्रक की चपेट में आने से चार नाबालिग लड़कों की मौत, दो घायल

गढ़चिरौली , एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक ट्रक के टक्कर मारने से चार नाबालिग लड़कों की मौत हो गई और दो अन्य लड़के घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे आरमोरी-गढ़चिरौली राजमार्ग पर हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 12 से 16 वर्ष की आयु के छह नाबालिग लड़के जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर कटली गांव में सड़क किनारे बैठे थे तभी एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इन लड़कों में से चार की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस दुर्घटना पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

कबूतरों को दाना डालने पर मुंबई में नया बवाल, सड़क पर उतरा गुजराती-जैन समुदाय

मुंबई, एजेंसी।
मुंबई में मराठी-गैर मराठी विवाद के बाद अब एक नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। बीएमसी चुनावों से पहले उठा यह विवाद अब सियासी रंग लेने लगा है और धीरे-धीरे स्थानीय बनाम बाहरी की लड़ाई का मुद्दा बनता जा रहा है। दरअसल, कबूतरों को दाना डालने की वजह से स्थानीय और बाहरी यानी जैन और गुजराती समुदाय के बीच तनातनी बढ़ गई है। स्थानीय लोग इस बात का विरोध कर रहे हैं कि जैन और गुजराती समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर दादर कबूतरखाने के ऊपर से तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना क्यों डाला?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद कबूतरखाने के ऊपर तिरपाल डाल दिया गया था। जैन समुदाय और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस प्रतिबंध का विरोध किया है और कहा है कि कबूतरों को दाना डालने की कोई वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए, अन्यथा पक्षी भूखे मर जाएँगे। इसी कड़ी में सड़कों पर उतरे जैन और गुजराती समुदाय के लोगों ने दादर कबूतरखाने के ऊपर से तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना डाल दिया। इसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया है।

तिरपाल फाड़कर दाना डालने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब ये मामला सियासी तुल पकड़ने लगा है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने भी इस घटना की निंदा की है। शिवसेना की विधान पार्षद और पार्टी प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने कहा है कि दादर कबूतरखाना के बाहर जैन समुदाय का विरोध प्रदर्शन अतिशयोक्तिपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसा करना किस कानून के तहत उचित है? कायंदे ने कहा, जब गुजरात में पतंग उत्सव होता है, तो नुकीले धागों के कारण कई पक्षी मारे जाते हैं या घायल हो जाते हैं। क्या तब कोई धार्मिक मुद्दा नहीं उठता? यह

वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि कबूतर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ पैदा करते हैं। इसका धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। कई संगठन सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा गठबंधन पर आरोप लगा रहे हैं कि वोट की खातिर एक छोटे से अल्पसंख्यक समुदाय के आगे बेवस हो गए हैं। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए एक बैठक की और कहा कि नगर निगम ही कबूतरों को दाना देगा। हालाँकि, बुधवार को कबूतरखाने पर अभी भी तिरपाल की चादरें लगी होने के कारण, गुस्साए जैन समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना डाल दिया। बहरहाल, मुंबई नगर निगम ने दाना डालने से रोकने के लिए वहां फिर से तिरपाल लगा दिया है।

इस बीच, भाजपा कोटे से मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों को धैर्य रखने की सलाह दी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों द्वारा कानून अपने हाथ में लेने और कबूतरों को दाना डालने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। दूसरी तरफ, राज ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी एमएनएस ने फिलहाल इस विवाद पर अपनी पैनी नजर गड़ा रखी है और कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगाने के कदम का समर्थन किया है। स्व्हस ठाणे में भी कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रही है।

कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं मोदी: अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के शासन में भारत चौतरफा घिर रहा है। गहलोत ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में भारत चौतरफा घिर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत के खिलाफ अनर्गल बोल रहे हैं। ट्रंप अब तक 30 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का दावा कर चुके हैं। अब वह भारत के व्यापारिक हितों के खिलाफ फैसले कर रहे हैं। एक बार भी उनका नाम लेकर बयान नहीं दे सके हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, चीन और पाकिस्तान अब खुलकर भारत के खिलाफ हो गए हैं। हमारी सेनाओं ने मजबूती से उनको मुंहतोड़ जवाब दिया परन्तु राजनीतिक एवं राजनयिक मोर्चे पर भारत अकेला पड़ गया।

तालाब में डूबने से एक किशोर की दर्दनाक मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगीना क्षेत्र के गांव नैनपुर सराय के लगभग 18 वर्षीय एक किशोर की गाँव के ही तालाब में डूबने से मौत। प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनपुर सराय में गांव के ही तालाब में तीन बच्चे नहाने गए थे।जिसमें एक बच्चा मौ सलीम गहरे गड्ढे में जाकर गुम हो गया जब उन दोनों बच्चों ने सलीम को डूबता हुआ देखा तो उन्होंने शोर मचाया तो गांव के लोगो ने तुरन्त तलाब के समीप पहुंच कर इसकी सूचना पुलिस तथा उसके परिजन को दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी व थाना प्रभारी नगीना तेजपाल सिंह मौके पर पहुंचे तथा शव को तालाब से बाहर निकालने के लिए गोताखोर को बुलाया गया। गोताखोरों ने मृतक सलीम के शव को बाहर निकाला तथा मृतक सलीम के शव को पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया । बताया जा रहा है कि मृतक सलीम और उसका परिवार सहारनपुर का रहने वाला है तथा नैनपुर सराय में लकड़ी की तेल टैल बनाने का कार्य करता था।

लगातार हुई बारिश के कारण दिवार में दबकर आधा दर्जन घायल

✷ एनसीआर टुडे. हलदौर ✷। नगर स्थित रेलवे कॉलोनी के पास रेलवे कॉलोनी की दीवार के सहारे कुछ लोग अस्थाई रूप से झोपड़ी डालकर रह रहे थे बुधवार की रात्रि में 1. कुंदन पुत्र चंदू उम्र करीब 40 वर्ष, 2. रेशमा पत्नी कुंदन उम्र करीब 38 वर्ष, 3.श्यामवती पत्नी पप्पू उम्र करीब 25 वर्ष, 4. पप्पू पुत्र राजू उम्र करीब 27 वर्ष लगातार हो रही बारिश के कारण रेलवे कॉलोनी की दीवार गिरने के कारण दबकर घायल हो गए। सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय बिजनौर भेजा गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा कुंदन एवं रेशमा की स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। तथा श्यामवती एवं पप्पू जिला चिकित्सालय बिजनौर में उपचार चल रहा है।

पडोसी दरिंदे ने किया नाबालिग से दुष्कर्म करने का प्रयास

✷ एनसीआर टुडे. राजा का ताजपुर ✷। स्योहारा थाना छेत्र के ग्राम रवाना निवासी महिला के घर मे गाँव के ही व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री से किया दुष्कर्म का प्रयास, महिला ने थाने मे दी तहरीर। ग्राम रवाना निवासी साईदा पत्नी कयामुद्दीन ने थाने मे तहरीर दी कि 07.08.2025 को समय लगमग 12:30 बजे दिन के पड़ोस का रहने वाला इमरान पुत्र मो० हारून जबरन प्रार्थिनी के घर में घुस आया और प्रार्थिनी की नाबालिक पुत्री साथ जबरन बलात्कार की कोशिस की। मेरी नाबालिक पुत्री ने शोर मचाया तो आरोपी इमरान धमकी देता हुआ फरारा हो गया। पड़ोसियों ने उसको पकड़ना चहा तो फरार हो गया पीड़िता ने बताया के आरोपी बदमाश किस्म का व्यक्ति है। उसके विरूध पूर्व मे भी स्योहारा थाने मे मुकदमा दर्ज है पीड़िता ने थाना अध्यक्ष से न्याय कि गुहार लगाई है।

मजिस्ट्रेट व एसडीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। स्योहारा जिले में बाढ़ की स्थिति का जायज़ा लेने के लिए मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सिपाहीवाला में मंगलवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर हालात का मुआयना किया और संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य तेज़ करने के निर्देश दिए। स्योहारा क्षेत्र के अनेकों गांव का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित गांवों में लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों में नावों व राहत शिविरों की स्थिति भी जांची गई। जिला प्रशासन ने बताया कि बाढ़ राहत के लिए कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय है और प्रभावित परिवारों को राशन, पीने का पानी व मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि घबराएं नहीं, प्रशासन हर संभव मदद के लिए तत्पर है।

ट्रेन से कटकर रिटायर्ड नायब सूबेदार की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। दिल्ली कानपुर रेलवे लाइन स्थित चोला रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से रिटायर्ड नायब सूबेदार की दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों नेबताया कि मृतक प्लाट से घूमकर अपने घर लौट रहे थे। सूचना पर पुलिस मौके पर आ गई। जीआरपी पुलिस ने पोस्टमार्टम कार्यवाही के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के मुताबिक, गांव फतेहपुर जादोन के रहने वाले 65 वर्षीय महेंद्र सिंह पुत्र गुलाब सिंह फौज से नायब सूबेदार के पद से 2004 में सेवानिवृत्त हुए थे। परिवार में बेटा इंद्र जीत व दो बेटियां हैं। सभी की शादी हो चुकी है। इंद्र जीत ने बताया कि चोला रेलवे स्टेशन के पास उनका एक प्लाट है। पिता वहीं घूमने गए थे। वापस आने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद राहगीर और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इन्हीं में एक व्यक्ति ने उनकी पहचान कर ली और घर पर खबर दी। पुलिस ने पंचायत नामा की कार्रवाई के साथ पोस्टमार्टम करवाया और बुधवार की शाम शव सौंप दिया। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

कॉंग्रेस नेताओं ने छर्रा अड्डा पुल की सीढ़ियों कर मरम्मत हेतु DRM को सौंपा ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। छर्रा अड्डा पुल की सीड़ियों की जर्जर हालत को लेकर कॉंग्रेस के नेता गुरूवार को इलाहाबाद मंडल के डीआरएम से मिले और सीडियां सही कराने के लिए एक ज्ञापन दिया। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवेद खान ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अलीगढ रेलवे स्टेशन पहुंचे और इलाहाबाद मंडल के डीआरएम से मुलाकात की छर्रा अड्डा की ओर सीड़ियों को प्रकाश व्यवस्था पर्याप्त कराने के लिए एक ज्ञापन अलीगढ़ जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक की मौजूदगी में ज्ञापन दिया। इस दौरान पूर्व शहर अध्यक्ष सलाउद्दीन वसी बौबी, शाहरुख खान, शिव शर्मा, जितेन्द्र कुमार तोशी, शाहिद खान, पार्षद बिजेंद्र सिंह बघेल, ब्रजेश शर्मा, नादिर खान, प्रदीप शर्मा, मोहम्मद ताजुद्दीन शाह, नदीम खान, राजीव कुमार, शरीफ खान आदि मौजूद रहे।

चारा लेने गई महिला को गुलदार ने बनाया शिकार

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

थाना क्षेत्र के गांव भिक्कवाला जंगल में अपने पुत्र के साथ पशुओं को चारा लेने गई एक 35 वर्षीय महिला को गुलदार ने अपना शिकार बना लिया। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ हंगामा काटा।

ग्रामीणों ने रेंजर नगीना से तत्काल पिंजरा लगाने,मृतिका के परिजनों को मुआवजा सहित क्षेत्र में रोजाना गश्त कराने को लेकर अपनी मांग की। वही रेंजर नगीना के आश्वासन पर ग्रामीणों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव कालागढ़ पुरानी कालोनी निवासी पूनम देवी उम्र 35 वर्षीय पत्नी कमल सिंह बृहस्पतिवार की दोपहर बारह बजे के करीब अपने बड़े पुत्र संदीप के साथ अपने पशुओं को चारा लेने गांव भिक्कावाला के जंगल में गई हुई थी। पूनम देवी द्वारा अपने पशुओं को कुछ चारा काट लिया गया था।

पशुओं को चार डालने के लिए अपने बड़े पुत्र संदीप को पूनम देवी ने उसके कंधे पर कटा हुआ चार रखकर घर भेज दिया। पुत्र संदीप पशुओं को चारा लेकर अपने घर वापस आ गया। पशुओं को चार डालकर आधा घंटे बाद खेत पहुंचे संदीप कुमार ने देखा कि उसकी मां पूनम देवी गुलदार के हमले में बुरी तरह घायल मृत अवस्था में पड़ी हुई थी।

अचानक मां को मृत अवस्था में देख बेटे संदीप की चीख निकल गई और वह दहाड़ दहाड़ कर रोने लगा। बेटे संदीप द्वारा घटना की सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलने पर मौके पर ही ग्रामीणों का तांता लग गया। ग्रामीणों का गुस्सा वन विभाग के खिलाफ फूटने लगा।

मौके पर पहुंचे सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी व अफजलगढ़ थानाध्यक्ष सुमित राठी ने परिजनों से घटनी की जानकारी ली। लेकिन मौके पर ग्रामीणों द्वारा वन विभाग के उच्च अधिकारियों को बुलवाने की मांग की गई।

मौके पर पहुंचे नगीना रेंजर प्रदीप शर्मा से ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पिंजरा लगाने,मृतिका के परिजनों को मुआवजा सहित क्षेत्र में रोजाना गशत कराने,अस्थाई चौकी पर उपस्थित रहने,खेती में हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने सहित कई अपनी मांग की। वही रेंजर नगीना प्रदीप शर्मा के आश्वासन पर ग्रामीणों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे प्रधान गितेन्द्र चौधरी,सचिव इरफान अहमद तथा लेखपाल गौरव कुमार ने गुलदार के हमले में मारी गई महिला के पति कमल सिंह से घटना की जानकारी ली।

वही मृतिका पूनम देवी अपने पीछे दो पुत्र,एक पुत्री सहित पूरा परिवार रोता

बिलखता छोड़ गई है। उधर थानाध्यक्ष सुमित राठी ने बताया कि गुलदार के हमले में मारी गई मृतिका पूनम देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर में भेज दिया गया है।

जिलाध्यक्ष ने तेज किया संगठन सर्जन अभियान

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

ज़िला कांग्रेस कमेटी बिजनौर द्वारा नगीना विधानसभा मे संगठन सर्जन अभियान के अंतर्गत समीक्षा बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष हैनरीता राजीव सिंह के नेतृत्व मे की गई।

बैठक मे कांग्रेस जिलाध्यक्ष, जावेद अंसारी संगठन प्रभारी सहित विधानसभा प्रभारी, ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, मो सलीम एड,सदस्यता अभियान प्रभार सहित सभी वरिष्ठ नेता गण ने संगठन को और मजबूत करने हेतु अपने अपने सुझाव रखे। पूर्व आई ए एस आर के सिंह ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्राप्त संगठन के ढांचे के बारे मे विश्तार से बताया जिससे कांग्रेस बूथ तक मजबूत होगी।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने अपने संबोधन मे कहा कि जो दायित्व हमे शीर्ष नेतृत्व से प्राप्त हुआ है हमे हर परिस्थिति मे उसे निभाना है और बिजनौर कांग्रेस को उत्तर प्रदेश मे सभी ज़िलों मे मजबूत और सशक्त संगठन के मामले मे पहला नंबर पाना ही हम सबका संकल्प होना चाहिए।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा सभी कांग्रेस के साथियों को अपने अपने घरों पर मेरा मान मेरा स्वाभिमान घर घर कांग्रेस का झंडा अभियान के अंतर्गत अपने घरों पर कांग्रेस का झंडा लगाना सुनिश्चित करना होगा।

बैठक मे उपस्थित हैनरीता राजीव सिंह (जिलाध्यक्ष) तथा पूर्व आई ए एस आर के सिंह जावेद अंसारी (ज़िलाउपाध्यक्ष/संगठन प्रभारी/ सलीम एड. (सदस्यता अभियान प्रभारी) अब्दुल वाहिद अंसारी (नगर अध्यक्ष) शेख अंज़ार (ज़िलाउपाध्यक्ष) प्रदीप ठाकुर (ज़िला महासचिव) गंगा राम (ज़िला महासचिव) हाजी एहसान अंसारी (ब्लॉक अध्यक्ष) नागेंद्र (ब्लॉक अध्यक्ष किरतपुर) क़ाज़ी अरशद मसूद, प्रदीप कुमार मुबसशिर जमा खां, मो अकबर, इरफ़ान सिद्दीकी, शाहिद मंसूरी, शावेज़ अंज़ार, रईस , मो राशिद (विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस) अब्दुल समद, व नगर/ब्लॉक कमेटी के पदाधिकारी गण आदि उपस्थित रहे।

बाढ़ स्थिति पर हुई चर्चा, त्वरित राहत और रणनीति पर सहमति

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

आज लखनऊ में सिंचाई मंत्री माननीय श्री स्वतंत्रत सिंह जी से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश सरकार में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री तथा जनपद बिजनौर के प्रभारी मंत्री माननीय श्री कपिल देव अग्रवाल जी ने जनपद बिजनौर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की वशतुस्थिति से उन्हें अवगत कराया।

इस दौरान मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में जनपद बिजनौर के कई क्षेत्रों में गंगा नदी के जलश्तर में वृद्धि के कारण बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं, जिससे स्थानीय जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण, तटबंधों की सुदृढ़ता और प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन हेतु आवश्यक संसाधनों एवं तकनीकी सहायता और अधिक सक्रिय कराए जाने का आग्रह किया।

माननीय सिंचाई मंत्री स्वतंत्रत देव ज़ी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद बिजनौर के बाढ़ग्रश्त क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और मंत्री कपिल देव अग्रवाल जी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर यथासंभव हरसंभव सहायता प्रदान की जाए।

भविष्य में संभावित आपदा प्रबंधन को लेकर भी दोनों मंत्रियों के बीच दीर्घकालिक रणनीति को लेकर सार्थक चर्चा हुई। भाजपा सरकार की जन-कल्याणकारी सोच के अनुरूप यह निर्णय लिया गया कि न केवल तत्काल राहत प्रदान की जाएगी।

एस. डी. एम. ने किया एमआरएफ सेन्टर का निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

उपजिलाधिकारी नगीना ने नगर पंचायत बढ़ापुर द्वारा बनाए गए एमआरएफ सेंटर मोहल्ला लाल सारी के कब्रिस्तान का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उपजिलाधिकारी नगीना आशुतोष रामप्यारे जायसवाल नगर के पश्चिम दिशा में नकटा नदी के किनारे बनाये गए एमआर एफ सेंटर पर निरीक्षण करने पहुँचे।

बताते चलें कि चैयरमेन बढ़ापुर डॉ दिलशाद अंसारी द्वारा जिलाधिकारी बिजनौर जसजीत कौर से शिकायत की गई थी कि नकटा नदी के पानी से बीते वर्ष अगश्त माह में लाखों रुपये की लागत से बनाये गए एमआर एफ सेंटर को काफी नुकसान हुआ था। जिसके चलते हुए वर्षाकाल में बीते दो दिनों से लगातार हो रही वर्षा के कारण नकटा नदी उफान पर आ गई है।

नकटा नदी का पानी किसी भी समय एमआर एफ सेंटर को नदी में समा सकता है तथा नदी के दूसरे किनारे पर स्थित कब्रिस्तान भी नदी में समाने के लिये तैयार है यदि प्रशासन द्वारा जल्द ही कोई ठोस कदम नही उठाया गया तो नकटा एमआरएफ सेंटर व कब्रिस्तान को अपने मे समा लेगी।

मामले की गम्भीरता को देखते हुए तत्काल SDM नगीना को मौके पर पहुचने के लिये आदेशित किया।

जिस कारण उपजिलाधिकारी नगीना आशुतोष रामप्यारे जायसवाल हल्का लेखपाल दीपक कुमार व लेखपाल दिनेश कुमार सहित मौके पर पहुच गए और निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया

तालाब में नहाने गए युवक की डूबकर मौत, फैक्ट्री में करता था काम

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

ग्राम नैनपुर सराय में गुरुवार को तालाब में नहाने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सलमान (18 वर्ष) पुत्र सलीम अख्तर निवासी सहारनपुर के रूप में हुई है।

वह नैनपुर में स्थित एक मिनी टाइल्स फैक्ट्री में मजदूरी करता था और यहां अकेला ही रह रहा था।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर सलमान गांव में स्थित दरगाह के पास बने तालाब में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। जब काफी देर तक वह बाहर नहीं निकला, तो स्थानीय लोगों ने शोर मचाया। मौके पर गांव के सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए। गांव के चौकीदार ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी तेजपाल सिंह व हल्का दरोगा पुलिस की गोताखोर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने युवक के शव को तालाब से बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि सलमान कुछ समय पहले ही सहारनपुर से आकर यहां टाइल्स फैक्ट्री में नौकरी करने लगा था। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को फोन के माध्यम से दे दी गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद, 15 हजार जुर्माना

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने आरोपी को कड़ी सजा सुनाई है।

स्पेशल पॉक्सो एक्ट कोर्ट ने आरोपी उत्तम सिंह उर्फ विमल को 20 साल के सश्रम कारावास और 15,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

मामला 10 अक्टूबर 2024 का है जब पीड़िता के पिता ने नजीबाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उत्तम कुमार उर्फ विमल पुत्र हुकम सिंह, जो ग्राम समीपुर का निवासी है, ने उनकी नाबालिग बेटी के साथ गलत कार्य किया था।

इस शिकायत पर थाना नजीबाबाद में मुकदमा संख्या 504/24 धारा 65(1) बीएनएस और धारा 3/4(2) पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया।

'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत स्थानीय पुलिस और मॉनिटरिंग सेल ने न्यायालय में सशक्त और प्रभावी पैरवी की। इसके परिणामस्वरूप 7 अगश्त 2025 को न्यायालय ने धारा 4 (2) पॉक्सो एक्ट और धारा 137(2) बीएनएस के तहत आरोपी को दोषी करार दिया।

न्यायालय के इस फैसले से पीड़िता और उसके परिवार को न्याय मिला। यह फैसला समाज में एक संदेश देता है, कि नाबालिगों के साथ अपराध करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी।

पुल का तटबंध टूटने पर एडीएम प्रशासन का स्थलीय निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गागन पुल के निकट तटबंध टूटने पर गुरुवार को एडीएम प्रशासन ने मोके पर पहुंच कर स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिचाई विभाग के अधिकारियों को तटबंध बंद करने के लिए निर्देश किये नगर पालिका में जिन जगहों पर जल भराव है वहाँ एन्टी लार्वा व फोगिंग करने के निर्देश दिए।

गागन नदी का जलश्तर बढ़ने पर पुल के पास तटबंध टूटने से नगर पालिका द्वारा तटबंध को जलश्तर बढ़ने पर के लिए काफी प्रयास करने के बाद भी पालिका टीम को कोई सफलता नहीं मिली नगर में पानी रोकने के लिए नहटौर धामपुर मार्ग पर पुलिया के निकट सड़क के पास से पानी को नदी में जाने के लिए नाले के माध्यम से डायवर्ट किया।

इस व्यवस्था से गागन नदी के आसपास कई मोहल्ला में अपनी जान से रुका। घामपुर नहटौर मार्ग पर आवागमन बिल्कुल बंद है।

गुरुवार को एडीएम प्रशासन विनय कुमार अपने काफिले के साथ नहटौर धामपुर मार्ग पर गंगा नदी के निकट तटबंध पर पहुंचकर टूटे हुए तटबंध को दिखा तथा स्थलीय निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के एसडीओ पुनीत कुमार चौधरी को जनमानस की सुरक्षा के लिए तटबंध पर मिट्टी से तटबंध को बंद करने के तत्काल दिशा निर्देश दिए तथा पालिका को सिंचाई विभाग को मिट्टी उपलब्ध कराने के निर्देश विधि है।

अधिशासी अधिकारी ओम गिरी को नगर में जिन स्थानों पर जल भराव गंदगी है। उसे स्थान को सफाई कराकर एंटी लावा का छिड़काव कराने के निर्देश दिए।

एसडीओ सिंचाई विभाग पुनीत कुमार चौधरी ने बताया मिट्टी डालने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

देर रात तक तटबंध को बंद करने का प्रयास किया जायगा। जेसीबी डंपर व ट्रैक्टर ट्राली माध्यम से कार्यों पूर्ण किया जाएगा।

इस मौके पर अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने बताया नगर में जिन स्थानों पर जल भराव गंदगी है। उन स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है।

चिन्हित का कार्य पूर्ण होने के बाद अंतिम लावा का छिड़काव कराया जाएगा वह सफाई का कार्य भी किया जाएगा इस मौके पर सिंचाई विभाग के जारी नासिर हुसैन चेयरपर्सन प्रतिनिधि ज़ैद रशीद, लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि, केलाश आदि पालिका कर्मी मौजूद रहे।

प्रेमी से मिलकर पत्नी ने ही कराई थी पति की हत्या, पेट्रोल से चेहरा जलाया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना छर्रा क्षेत्र के गांव धनसारी के यूसुफ की हत्या के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी दानिश को गिरफ्तार कर लिया। पत्नी ने खुद ही योजना बनाकर प्रेमी के हाथों युवक की हत्या कराई थी। पुलिस ने प्रेमी दानिश को भी जेल भेज दिया।

थाना छर्रा इलाके के ग्राम धनसारी निवासी भूरे खां का 26 वर्षीय बड़ा बेटा यूसुफ गल्ला मंडी में मजदूरी करता था। 29 जुलाई की सुबह घर से टिफिन लेकर मंडी के लिए निकला था। देर शाम तक घर नहीं पहुंचा तो स्वजन ने तलाश किया। चार दिन युवक का पता नहीं चलने पर पिता ने शनिवार सुबह छर्रा कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उसी दिन शाम को कासगंज के थाना ढोलना की विलराम चौकी अंतर्गत बंद पड़े भट्ठा के निकट झाड़ियों में क्षत विक्षत यूसुफ का शव मिला।

उसका चेहरा जलाया गया था। परिजनों ने चप्पल व कपड़ों के आधार पर शव शिनाख्त की। पिता की तहरीर पर मृतक की पत्नी तबस्सुम व गांव के ही दानिश के विरुद्ध हत्या का मुकदमा पंजीकृत कराया। उसी आधार पर पुलिस ने पत्नी तबस्सुम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस ने बुधवार शाम रामपुर बंबा के निकट से दानिश को गिरफ्तार कर लिया। करीब चार साल पहले यूसुफ की पत्नी तबस्सुम से उसके संबंध बन गये। यूसुफ के काम पर जाने के बाद दोनों फोन पर घंटों बातें करते थे। यूसुफ को दोनों के प्रेम प्रसंग की भनक होने लगी तो वह तबस्सुम से विरोध करता था। इसी बात से आए दिन दोनों के बीच विवाद होने लगा।

तबस्सुम दानिश ने यूसुफ की हत्या करने का प्लान बनाया। 29 जुलाई को यूसुफ घर से टिफिन लेकर मंडी के लिए जा रहा था, तो राश्ते में दानिश ने उसे रोक लिया। कहा, यहां पर मजदूरी में मिलने वाले पैसों से तुम्हारा काम नहीं चलेगा। मेरे साथ कासगंज चलो में मेरी जान पहचान है। वहां पर अच्छी दिहाड़ी पर काम दिलवा दूंगा। बातों में आकर यूसुफ स्कूटी पर बैठ गया। स्कूटी पर बिठाकर कासगंज की ओर ले गया। राश्ते में टिफिन से खाना खाने के बहाने दानिश उसको विलराम क्षेत्र में स्थित बंद पड़े एक ईंट भट्ठे पर ले गया। दानिश ने झाड़ियों का फायदा उठाते हुए उसके टिफिन के खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाने के कुछ देर में ही यूसुफ बेहोश हो गया तो दानिश ने अपने साथ लाए एक छुरे से पेट फाड कर उसकी हत्या कर दी।

स्कूटी से पेट्रोल निकाल कर यूसुफ का चेहरा जला दिया और को शव झाड़ियों में फेंक कर भाग गया। हत्या के बाद दानिश अपने घर आ गया। उसके बाद दोनों प्रेमी-प्रेमिका के बीच फोन पर लगातार बात हो रही थी। कोतवाल राजेश कुमार ने बताया कि दोनों के फोन की सीडीआर निकाली गई है। दोनों के बीच काफी देर तक बात हो रही थी। घटना में सीसीटीवी फुटेज की भी मदद ली गई।

घटना वाले दिन दानिश अपनी सफेद स्कूटी पर बैठाकर यूसुफ को अपने साथ ले जाता हुआ नजर आया है। सभी साक्ष्य एकत्रित कर घटना का पर्दाफाश किया गया है। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त छुरा भी बरामद कर लिया गया है।

डीएम ने किया बाढ प्रभावित मेरठ-पैडी राजमार्ग का निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

डीएम जसजीत कौर द्वारा आज मेरठ-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण किया गया। गंगा बैराज में पहाड़ से पानी अधिक आने के कारण सड़क के क्षतिग्रश्त होने तथा सड़कों पर पानी के प्रवाह के दृष्टिगत मेरठ-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है।

ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न होने पाए। उन्होंने बताया कि सड़कों पर फंसे यात्रियों को ट्रैक्टर के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। तदुपरांत जिलाधिकारी श्रीमती कौर द्वारा बाढ़ से प्रभावित चांदपुर तहसील के ग्राम मीरापुर सीकरी का निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी ग्राम मीरपुर सीकरी में मोटर बोर्ड से पहुंची तथा प्रभावित ग्राम का बारीकी के साथ मुआयना किया ग्राम वासी घरों की छतों पर प्रवास किए हुए पाए गए। उक्त स्थिति की दृष्टिगत उन्होंने उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि ग्राम वासियों के लिए शुद्ध पेयजल गैस आदि की व्यवस्था की जाए तथा पशुओं के लिए चारे की भी व्यवस्था करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि ग्राम मीरपुर सीकरी सहित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं का टीकाकरण कराएं। उन्होंने उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में सतर्कता बरतते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण कर प्रभावित लोगों को राहत सामग्री पहुंचना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा, उप जिलाधिकारी बिजनौर एवं चांदपुर, सिंचाई विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संपादकीय

प्राकृतिक आपदाओं से जूझता हिमाचल

हिमाचल इस समय प्रकृति के विकराल प्रकोप से कराह रहा है। 20 जून 2025 से प्रदेश में जारी मूसलाधार बारिश ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया है, बल्कि लोगों के जीवन, संपत्ति, संसाधनों और भविष्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

30 जून की रात मंडी जिले के सराज क्षेत्र की रोहांडी की पहाड़ियों पर बादल फटने की घटना के बाद थराड़, शरण, रुकचुई, प्याला, लंबाथाच, देजी और थुनाग जैसे गांवों में जो तबाही मची, उसने वहां के निवासियों की वर्षों की पूंजी और स्मृतियों को मिट्टी में मिला दिया।

सड़कों का टूटना, पुलों का बह जाना, वाहन दुर्घटनाएं, बिजली और जल योजनाओं का ध्वस्त हो जाना, यह सब मानो हिमाचल के विकास को एक झटके में दशकों पीछे ले गया। अभी यह आपदा पूरी तरह थमी भी नहीं थी कि 28 जुलाई को मंडी शहर के सैण मोहल्ले में आई बाढ़ ने चार लोगों की जान ले ली। लगभग 22 परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े, 50 मकान क्षतिग्रस्त हो गए और दो सौ से अधिक वाहन पानी में बह गए।

उधर ऊना शहर में शनिवार 2 अगस्त को मूसलाधार बारिश ने 38 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया। छह घंटे में कुल 222.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इससे पहले वर्ष 1988 में 198 मिलीमीटर बारिश हुई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 20 जून से 31 जुलाई तक की अवधि में हुई घटनाओं पर यदि एक नजर डालें, तो 173 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई, जिनमें 95 मौतें प्राकृतिक आपदाओं और 78 सड़क दुर्घटनाओं में हुईं।

हिमाचल जैसे संवेदनशील पहाड़ी राज्य में निर्माण कार्यों को लेकर अब तक कोई समग्र, वैज्ञानिक और स्थानीय भूगोल के अनुकूल नीति नहीं बन सकी है। अतिक्रमण, अनियंत्रित शहरीकरण, अवैध निर्माण और प्राकृतिक जल स्त्रोतों, नालों व नदियों पर अतिक्रमण हमारी त्रासदी को निमंत्रण देने वाली भूलें हैं। यह देखना बेहद पीड़ादायक है कि सडक़ किनारे, नदियों के तटों और नालों पर खुलेआम निर्माण हो रहे हैं और संबंधित विभाग आंखें मूंदे हुए हैं।

उदाहरण के लिए कांगड़ा जिले में अवेरी से पालमपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दशकों पुराने प्राकृतिक नालों पर किए गए अतिक्रमण किसी से छिपे नहीं हैं। क्या इन निर्माणों को देखना और रोकना लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, एनएचएआई और पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी नहीं है? हमें यह स्वीकार करना होगा कि हिमाचल में आपदाएं अब केवल प्रकृति की नहीं, बल्कि हमारी नीतिगत विफलताओं की भी देन हैं।

विकास की अंधी दौड़ में हमने प्रकृति की सीमाएं लांघ दी हैं। पहाड़ों की काटछांट, नदियों के किनारों का अतिक्रमण, जंगलों की बेरहम कटाई और पर्यावरणीय प्रभाव का आंकलन किए बिना निर्माण कार्यों ने इस भूगोल को अस्थिर बना दिया है। ऐसे में जब भी मौसम कुछ अधिक उग्र होता है, तबाही निश्चित हो जाती है। प्रदेश सरकार को चाहिए कि आपदा जोखिम को कम करने के लिए बनाए गए नियमों को सख्ती से लागू करे।

अधिकारी केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी श्तर पर जाकर कार्य करें। राहत और पुनर्वास की कार्यवाही पारदर्शी हो और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र मजबूत किया जाए। जनजागरूकता अभियान गांव-गांव तक पहुंचे और आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण स्कूली शिक्षा से ही प्रारंभ किया जाए। राष्ट्रीय श्तर पर भी कुछ सकारात्मक प्रयास सामने आए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिमाचल में आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता को देखते हुए एक बहुक्षेत्रीय केंद्रीय टीम के गठन का निर्देश दिया है। वहीं, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 'सचेत' नामक मोबाइल ऐप शुरू किया गया है, जो आपदा से जुड़ी चेतावनियों और सूचनाओं का सटीक माध्यम बन सकता है।

नागरिकों को राज्य और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वेबसाइटों से भी निरंतर जानकारी लेनी चाहिए। हम स्कूली पाठ्यक्रमों में 'सतत पोषणीय विकास' की अवधारणा पढ़ाते हैं, जिसका सार यह है कि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के लिए संसाधनों का संरक्षण किया जाए। दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल में हो रहे अनियंत्रित विकास पर गहरी चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजस्व के लिए पर्यावरण की बलि नहीं दी जा सकती।

नदी नालों के किनारों पर अतिक्रमण, जल विद्युत परियोजनाएं, चौड़ी सडक़ें, वनों की कटाई और बहुमंजिला इमारतें राज्य में आपदाओं के मुख्य कारण हैं। हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी में कोई भी निर्माण कार्य भूवैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों की राय के बिना नहीं होना चाहिए। अनियंत्रित पर्यटन ने भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। कोर्ट ने चेताया कि यदि हालात नहीं सुधरे, तो हिमाचल नक्शे से गायब हो सकता है और भगवान न करे ऐसा हो।

आज का हिमाचल एक बार फिर चौराहे पर खड़ा है, जहां एक ओर भौतिक विकास की चाह है और दूसरी ओर प्रकृति का स्पष्ट संदेश कि यदि अब भी नहीं चेते, तो वह बार-बार अपने रास्ते खुद बनाएगी और वह रास्ते विनाश की ओर ही जाएंगे। अतः यह स्पष्ट है कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे कटाव, भूस्खलन और सडक़ों के धंसने जैसी आपदाओं के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि मानव की अविवेकपूर्ण योजनाएं, लालची विकास मॉडल और पर्यावरणीय उपेक्षा ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

जब तक विकास की दिशा में संतुलन और संवेदनशीलता नहीं लाई जाती, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। यह समय आत्ममंथन का है, व्यवस्था की समीक्षा का है और नई दिशा तय करने का है। जो परिवार अपने प्रियजनों को इन आपदाओं में खो चुके हैं, उनके घाव कभी नहीं भर सकते, लेकिन हम सबके लिए यह चेतावनी अवश्य है कि अब समय आ गया है चेतने का, समझने का और संभलने का। पहाड़ी प्रदेश उत्तराखंड में पांच अगश्त को एक जगह बादल फटने से कई लोगों की मौत हो गई, कई लापता हो गए और कइयों को बचा लिया गया।

लाड़ली बहना के चेहरों पर मोहन ने लौटाई मुस्कान

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं के सशक्तिकरण और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। इस योजना के तहत मध्यप्रदेश सरकार ने महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन में नई उम्मीदें जगाई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह योजना न केवल महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता का स्त्रोत बनी है, बल्कि उनके चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास भी लौटाने में सफल रहा है।

लाड़ली बहना योजना मध्यप्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसका उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने की 10 से 15 तारीख को 1, 250 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हश्तांतरित की जाती है। 2025 तक इस योजना के तहत 1.27 करोड़ से अधिक महिलाओं को 19, 212 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हश्तांतरित की जा चुकी है। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

लाड़ली बहना योजना की शुरुआत मध्यप्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके जीवन शतर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से की गई थी। हर महीने 1250 रुपये की राशि से न केवल उनकी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा हो रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिल रहा है।

डॉ. मोहन यादव ने इस योजना को सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव का माध्यम भी बनाया है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में यह योजना अब तक सवा करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुकी है और इसके तहत 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हश्तांतरित की जा चुकी है।

लाड़ली बहना योजना से मध्यप्रदेश की महिलाओं के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। योजना से प्रतिमाह मिलने वाली मासिक सहायता राशि ने जहां एक तरफ महिलाओं को छोटे-मोटे खर्चों के लिए आत्मनिर्भर बनाया है वहीं इससे वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुई हैं। वहीं नहीं इस योजना ने महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाया है। वे अब अपने परिवार और समाज में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

प्रदेश सरकार के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहना योजना को बंद करने की विपक्षी दलों द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने स्पष्ट किया कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए शुरू की गई थी और इसे हर हाल में जारी रखा जाएगा। विपक्ष के दावों को झूठा करार देते हुए सरकार ने कहा कि यह योजना न केवल निर्बाध रूप से जारी रहेगी, बल्कि भविष्य में इसका दायरा और बढ़ाया जाएगा।

डॉ. मोहन यादव ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए भविष्य में इसकी राशि को बढ़ाने का वादा भी प्रदेश की जनता से किया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने हाल ही में घोषणा की कि भईया दूज के साथ लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1, 500 रुपये प्रदान किए जाएंगे। उनके द्वारा पिछले दिनों कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में इस राशि को 3, 000 रुपये तक बढ़ाने की बात भी कही है। यह निर्णय महिलाओं के लिए आर्थिक स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। डॉ. मोहन यादव ने सुनिश्चित किया कि योजना की राशि समय पर और पारदर्शी तरीके से लाभार्थियों के खातों में पहुंचे।

डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता, जमीनी जुड़ाव और योजना को और बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता ने इसे और प्रभावी बनाया है। यह योजना निश्चित रूप से मध्य प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण का एक नया अध्याय लिख रही है और इसके लिए डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शिता और नेतृत्व को श्रेय जाता है। इस योजना के पीछे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच और संकल्प है जिन्होंने न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है बल्कि उनके चेहरों पर मुस्कान भी लौटाई है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने स्पष्ट किया कि यह योजना उनकी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता में है और इसे भविष्य में और सशक्त किया जाएगा। डॉ.मोहन यादव की प्रतिबद्धता ने महिलाओं के बीच भरोसा कायम रखा है। इसके अलावा योजना की राशि को समय पर हश्तांतरित करने से लाडली बहनाओं के बीच भरोसा बरकरार है। हर महीने की 10 से 15 तारीख के बीच राशि हश्तांतरण का उत्सव पूरे प्रदेश में देखा जा सकता है।

डॉ. मोहन यादव की सरकार ने लाड़ली बहना योजना के अलावा भी महिलाओं के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। एक तरफ अब तक जहाँ 850 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई जिससे एक लाख से अधिक महिलाएं लखपति बन चुकी हैं वहीं 19 लाख से अधिक बालिकाओं को सेनिटेशन और हाइजीन योजना के तहत 57 करोड़ 18 लाख रुपये की राशि दी गई।

आज सरकार द्वारा महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षण और ऋण सुविधाएं आसानी से प्रदान की जा रही हैं। ये सभी प्रयास डॉ. मोहन यादव की उस सोच को दर्शाते हैं जिसमें महिलाएं न केवल परिवार की रीढ़ हैं, बल्कि राष्ट्र, समाज और अर्थव्यवस्था की प्रगति में भी बराबर की भागीदार हैं।

लाड़ली बहना से जुडी प्रदेश की महिलाओं के चेहरे इन दिनों ख़ुशी से खिले हुए हैं। इस बार उनके मोहन भैया 27 वीं किश्त के साथ रक्षाबंधन का शगुन भी देने वाले हैं। 7 अगश्त को लाड़ली बहनों के खातों में 250 रुपए की अतिरिक्त राशि दी जायेगी, जो रक्षाबंधन पर भाई की तरफ से छोटा सा उपहार है।

यह राशि प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रुपए से अतिरिक्त होगी। मोहन भैया रक्षाबंधन पर नरसिंहगढ़ से 250 रू का शगुन देकर लाड़ली बहनों का दिल जीतने की कोशिश कर रहे हैं। डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहना योजना को भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रक्षा-सूत्र केवल धागा नहीं लाड़ली बहनों की रक्षा, सहयोग और स्वप्नों को साकार करने का संकल्प भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत" के मिशन को विजन बनाते हुए डॉ. मोहन यादव का लक्ष्य मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करना और हर महिला को आत्मनिर्भर बनाना है।

डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की महिलाएं मेरी बहने हैं यह मेरा मान है, सम्मान है, बहनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि जैसे मोदी सरकार लोकसभा-विधानसभा में बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है, उसी तरह हमारी सरकार भी महिलाओं के रोजगार और उनकी आर्थिक तरक्की के लिए संकल्पित है।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लाड़ली बहना योजना ने मध्यप्रदेश की महिलाओं के जीवन में एक नया अध्याय जोड़ा है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के आत्मसम्मान, स्वतंत्रता, और सपनों को पंख देने का माध्यम बनी है। डॉ. यादव की संवेदनशीलता, दृढ़संकल्प और समर्पण ने रक्षाबंधन पर प्रदेश की करोड़ों लाड़ली बहनों के चेहरों पर मुस्कान लौटाई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हर नागरिक को है सरकार से सवाल पूछने का अधिकार

डॉ. ज्ञान पाठक

सत्ता में बैठे लोगों से सवाल करना-खासकर बाहरी खतरे के समय-राष्ट्र-विरोधी नहीं, बल्कि अक्सर देशभक्ति का सर्वोच्च रूप होता है। स्पष्ट कर दें: राहुल गांधी एक राजनीतिक व्यक्ति और विपक्ष के नेता हो सकते हैं, लेकिन सरकार से सवाल करने का उनका अधिकार-यहां तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर भी-संविधान द्वारा संरक्षित है।

भारत के संविधान के तहत सरकार की आलोचना करने का नागरिक का अधिकार सुरक्षित है। फिर भी, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज महीश की एक बेंच ने 4 अगश्त, 2025 को भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी की देशभक्ति पर सवाल उठाया। राहुल गांधी ने 2022 में अपने भारत जोड़ो यात्रा अभियान के दौरान टिप्पणी की थी कि भारत ने अपनी 2000 वर्ग किलोमीटर ज़मीन खो दी है जिस पर चीन का कब्ज़ा। बेशक, यह एक संवेदनशील मुद्दा है, लेकिन फिर लोकतंत्र में, सरकार की आलोचना न केवल एक अधिकार है, बल्कि एक सच्चे नागरिक का कर्तव्य भी है।

क्या सुप्रीम कोर्ट ने 'एक सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा' या 'अगर आप एक सच्चे भारतीय होते, तो आप यह सब नहीं कहते' जैसी टिप्पणी करके गलती की है, जैसा कि बताया गया है? क्या उनकी भारतीयता पर सवाल उठाना समस्याजनक नहीं है?

आइए, भारत के संविधान पर एक नज़र डालें, जो 'सच्चे भारतीय' शब्द को परिभाषित नहीं करता। हर नागरिक क़ानून के सामने समान है, चाहे उसके राजनीतिक विचार कुछ भी हों या सरकार की आलोचना कुछ भी हो। न्यायपालिका का काम क़ानून की व्याख्या करना और क़ानूनी व्याख्या के आधार पर अपना फ़ैसला सुनाना है, न कि देशभक्ति पर नज़र रखना। सुप्रीम कोर्ट की विश्वसनीयता निष्पक्षता पर टिकी है। नैतिक या राजनीतिक निर्णय का संकेत देने वाली टिप्पणियां -जैसे किसी को 'सच्चा' या 'असच्चा' भारतीय कहना- क़ानूनी रूप से अस्पष्ट हैं और उनका कोई संवैधानिक आधार नहीं है।

ध्यान रखना ज़रूरी है कि राहुल गांधी की टिप्पणी, चाहे कोई इससे सहमत हो या न हो, चीनी घुसपैठ से निपटने में सरकार की विफलता की आलोचना करने वाली एक राजनीतिक टिप्पणी थी, न कि भारत के प्रति बेवफ़ाई का बयान। सेना की स्थिति और चीन के हाथों हुई तकलीफ़ों या भारतीय क्षेत्र में चीन की घुसपैठ पर सरकार के कुप्रबंधन की आलोचना करना लोकतांत्रिक विमर्श का एक हिस्सा मात्र है, देशद्रोह या भारत-विरोधी नहीं। ऐसे भाषणों या बयानों को 'अभारतीय' कहना ख़तरनाक बयानबाज़ी है- खासकर देश की सर्वोच्च अदालत से।

तो क्या यह टिप्पणी न्यायिक अतिक्रमण थी? संभवतः हां। बेशक, न्यायाधीश गैर-ज़िम्मेदाराना भाषण की निंदा कर सकते हैं, लेकिन 'आप सच्चे भारतीय नहीं है' कहना क़ानून और विचारधारा के बीच की रेखा को धुंधला कर देता है। 'सच्चे भारतीय' शब्द के अर्थ भिन्न हो सकते हैं यदि इसे देश की लोकतांत्रिक राजनीतिक पृष्ठभूमि में देखा जाए। अब भारत में हर कोई जानता है कि आरएसएस-भाजपा का 'सच्चा भारतीय' किसी भी अन्य राजनीतिक दल के 'सच्चे भारतीय' से गुणात्मक रूप से भिन्न है। लोगों के 'सच्चे भारतीय' के मानक पर भी अलग-अलग विचार हैं। कोई यह समझ नहीं पा रहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 'सच्चा भारतीय' कहकर क्या अभिप्राय व्यक्त किया।

यह अस्पष्ट है। जब हम इस मुद्दे को न्यायिक नैतिकता के दृष्टिकोण से देखते हैं, तो सर्वोच्च न्यायालय की पीठ की ऐसी टिप्पणी न्यायिक निष्पक्षता को संभावित रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। इस अर्थ में, ऐसी टिप्पणी न केवल अस्पष्ट और निरर्थक है, बल्कि एक बुरी मिसाल भी है।

क्या इस टिप्पणी को निरर्थक कहना पीठ, सर्वोच्च न्यायालय या न्यायपालिका का अनादर है? बिल्कुल नहीं, क्योंकि यह केवल न्यायालय की एक गलत चुनी गई टिप्पणी की आलोचना है, उससे अधिक कुछ नहीं, क्योंकि न्यायाधीशों से कानून के निष्पक्ष निर्णायक होने की अपेक्षा की जाती है। यह अच्छी बात है कि इस टिप्पणी के बावजूद हमारे माननीय न्यायाधीशों ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की कार्रवाई पर रोक लगा दी और मामले से जुड़े पक्षों को नोटिस जारी किए।

जब सर्वोच्च न्यायालय देश के वर्तमान विपक्ष के नेता, एक नागरिक की देशभक्ति पर सवाल उठाता है, तो वह वैधता के बजाय अदालत से निकलकर चुनावी अभियान में उतर जाता है -जहां तर्क की जगह बयानबाजी ले लेती है।

कानून के बिंदुओं के बजाय एक पीठ द्वारा देशभक्ति पर सवाल उठाने से न्यायिक निष्पक्षता से राजनीतिक बयानबाजी में बदलने का जोखिम पैदा हो गया है, जो न्याय और लोकतांत्रिक संवाद, दोनों को कमजोर कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी कई अन्य कारणों से भी बेहद परेशान करने वाली है। इनमें से पहला यह है कि यह तथ्यात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है जब अदालत ने राहुल गांधी से पूछा, 'आपको कैसे पता कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर कब-कब हासिल किया था? विश्वसनीय सामग्री क्या है? '

इसलिए, हमें यह जानने की ज़रूरत है कि 2000 वर्ग किलोमीटर कहां से आया, जो आधिकारिक तौर पर चीन के कब्जे में 43, 180 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि, जिसे भारत सरकार स्वीकार करती है, के अलावा है, जिसमें चीन को पाकिश्तान द्वारा सौंपी गई 5180 वर्ग किलोमीटर भूमि भी शामिल है।

2000 किलोमीटर की विवादित सीमा कई विश्वसनीय स्त्रोतों से आई है, जिनमें भारतीय सुरक्षा एजेंसियां, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी और खोजी रिपोर्ट शामिल हैं, जिन्होंने पुष्टि की है कि जून 2020 में चीन-भारत संघर्ष के बाद से, भारत ने पूर्वी लद्दाख के इस क्षेत्रफल को खो दिया है।

यह ज़मीन औपचारिक रूप से नहीं सौंपी गई है, लेकिन भारतीय गश्ती दल को पहुंच से वंचित कर दिया गया है, बफर ज़ोन का विश्तार किया गया है, और ज़मीनी श्तर पर चीनी नियंत्रण मज़बूत हो गया है।

लद्दाख पुलिस, स्वतंत्र रिपोर्टों और आंतरिक आकलनों ने 65 में से 26 गश्ती बिंदुओं पर गश्त के अधिकारों के नुकसान को भी स्वीकार किया है, जो अप्रत्यक्ष रूप से गांधी द्वारा कही गई बात की पुष्टि करता है।

इसलिए, राहुल गांधी की टिप्पणियां यूं ही नहीं की गईं। वे इस चल रही वाश्तविकता पर आधारित थीं, जो उन चिंतित नागरिकों और सैनिकों की ओर से व्यक्त की गई थीं जो सरकार की चुप्पी और अस्पष्टता को एक गंभीर विफलता मानते हैं। गांधी की चेतावनी एक ऐसे विषय पर पारदर्शिता और राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने का एक प्रयास थी, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की कूटनीतिक चुप्पी छाई हुई है।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पूछा कि राहुल गांधी ने संसद में नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट में यह सवाल क्यों उठाया? ...आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते? ऐसे सवाल देश के विपक्ष के नेता पर दबाव डालते हैं, जिसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव निवारक होता है।

विपक्ष के नेता के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें सार्वजनिक राजनीतिक अभियान, सोशल मीडिया, संसद या अपनी पसंद के किसी भी अन्य स्थान पर राष्ट्र से जुड़े मुद्दे उठाने का अधिकार है। उन्हें संसद के अंदर और बाहर, दोनों जगह सरकार की आलोचना करने का अधिकार है।

पीठ ने कहा था कि सिर्फ इसलिए कि आपके पास अनुच्छेद 19(1)(ए) है, आप कुछ भी नहीं कह सकते। यह विपक्ष के नेता पर एक और दबाव है। न्यायपालिका का काम संविधान की रक्षा करना और क़ानूनी मामलों पर फै सला सुनाना है, न कि यह तय करना कि कौन 'सच्चा भारतीय' है या नहीं।

देशभक्ति की कोई संवैधानिक कसौटी नहीं है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। जैसे ही इसकी व्याख्या राष्ट्रवाद के चश्मे से की जाती है, हम क़ानून की जगह एक व्यक्तिपरक नैतिक संहिता को वैध ठहराने का जोखिम उठाते हैं।

आरएसएस-भाजपा द्वारा भारत के लोगों पर अपनी व्यक्तिपरक नैतिक संहिता थोपने के निरंतर प्रयास, और जिनकी नैतिक संहिताएं कभी-कभी भारत के संविधान में निहित मूल्यों के बिल्कुल विपरीत होती हैं, की पृष्ठभूमि में न्यायालय की टिप्पणी जोखिम भरी है। पीठ की इस तरह की टिप्पणियों से अदालत की निष्पक्षता में जनता का विश्वास कम होने का खतरा है।

ऐसे समय में जब राजनीतिक सत्ता और संस्थागत स्वतंत्रता के बीच की रेखा पहले से ही तनावपूर्ण है, इस तरह की टिप्पणी इन सीमाओं को और धुंधला कर देती है। इतिहास हमें सिखाता है कि सत्ता में बैठे लोगों से सवाल करना-खासकर बाहरी खतरे के समय-राष्ट्र-विरोधी नहीं, बल्कि अक्सर देशभक्ति का सर्वोच्च रूप होता है।

स्पष्ट कर दें: राहुल गांधी एक राजनीतिक व्यक्ति और विपक्ष के नेता हो सकते हैं, लेकिन सरकार से सवाल करने का उनका अधिकार-यहां तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर भी-संविधान द्वारा संरक्षित है। देशभक्ति वाली टिप्पणी के ज़रिए उस अधिकार को खारिज करना लोकतंत्र और सच्चाई, दोनों के लिए नुकसानदेह है।

असली ख़तरा असहज सवाल पूछने में नहीं, बल्कि उन लोगों को चुप कराने में है जो सवाल पूछने की हिम्मत करते हैं। फिर जब सर्वोच्च न्यायालय दूसरा राश्ता चुनता है, तो राहुल गांधी को यह याद दिलाने की ज़रूरत नहीं है कि 'सच्चा भारतीय' होने का क्या मतलब है।

बल्कि, हमें यह पूछना होगा कि क्या न्यायपालिका अपनी संवैधानिक भूमिका निभा रही है-या उस राजनीति की ओर बढ़ रही है जिससे ऊपर उठने की उसने शपथ ली है।

अमेरिका को आर्थिक पतन की ओर ले जा रहे हैं ट्रम्प?

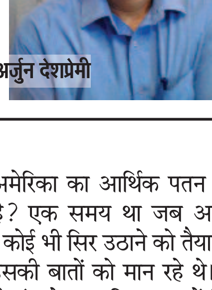

अर्जुन देशप्रेमी

क्या अमेरिका का आर्थिक पतन आरंभ हो गया है? एक समय था जब अमेरिका के सामने कोई भी सिर उठाने को तैयार नहीं था। सब उसकी बातों को मान रहे थे। पर जिस तरह से ट्रंप ने हाल फिलहाल में टैरिफ वॉर को आरंभ किया है उसके बाद देखने में आया है कि एक के बाद एक पांच से ज्यादा बड़े देश ट्रंप के सामने सिर्फ उठकर खड़े हो गए हैं और ट्रंप को आईना भी दिखा रहे हैं जिनके पास 60 प्रतिशत बाज़ार है।

ट्रम्प यानि अमेरिका चाहे जितना टैरिफ लगा दें, इनमें से कोई भी देश अमेरिका के आगे झुकता हुआ नहीं दिख रहा है जिनमे भारत भी एक है। अन्य देशों में रूस, चीन, ब्राजील, कनाडा जैसे देश शामिल हैं। जो संकेत मिल रहे हैं उससे ऐसा लग रहा है कि कई अन्य देश भी जल्दी ही इसमे शामिल हो जायेंगे। यूरोप के तो कुछ देश ऐसे भी हैं जो अमेरिका की नीतियों से दुखी होकर नाटो से ही अलग होने की बात कर रहे हैं।

अगर कुछ और देश नाटो से बाहर निकलते हैं तो अमेरिकी दादागिरी कम होगी। कुल मिलाकर अगर जो देश ट्रंप के तारीफ से दुखी हैं, वह मिलकर एक नया गठजोड़ करेंगे, तो यह अमेरिका के लिए आर्थिक रूप से समस्या होगी। संभव है ब्रिक्स और बड़े स्वरुप में सामने आ जाये जो अमेरिका के लिए खतरे की घंटी बन सकता है। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंचेगी। इस बीच सच यह भी है कि अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज करीब 37 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 32 लाख अरब रुपये को पार कर गया है। अमेरिका को सबसे ज्यादा कर्ज जापान ने दिया है।

जुलाई 2024 के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका के प्रत्येक नागरिक पर 1,04,507 डॉलर का कर्ज है। हालत यह हो गई है कि अमेरिका को रोज करीब दो अरब डॉलर ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं। अगले दशक तक यह कर्ज 54 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की सदस्य शामिका रवि की माने तो अमेरिका की तरफ से टैरिफ में किसी भी तरह की वृद्धि का बोझ कम आय वाले अमेरिकी परिवारों पर पड़ेगा। वहां महंगाई तेजी से बढ़ेगी जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए घातक होगी। तो क्या यह माना जाए कि ट्रंप जाने अनजाने में अमेरिका को ही आर्थिक पतन की ओर ले जाने के कदम उठा रहे हैं? ऐसे में आखिर होगा क्या? क्या कई देशों पर लगाए गए टैरिफ से अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज चुकाएंगे ट्रंप?

हाल के महीनों में जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने व्यवहार किया है, बयान दिए हैं, उससे उनकी विश्वसनीयता पूरी दुनिया में तो घटी ही है, अमेरिका में भी वे अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। जो अमेरिका के दोश्त देश माने जा रहे थे, वह भी ट्रम्प के कारण अमेरिका से दूर होते जा रहे हैं। जिस चीन से लड़ने के लिए भारत को ट्रम्प ने दोश्त माना, उसे ही नाराज़ कर बैठे हैं।

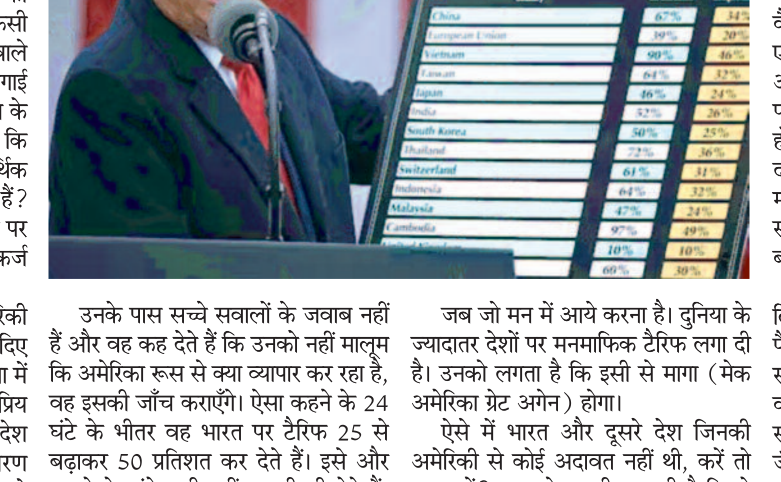

उनके पास सच्चे सवालों के जवाब नहीं हैं और वह कह देते हैं कि उनको नहीं मालूम कि अमेरिका रूस से क्या व्यापार कर रहा है, वह इसकी जाँच कराएँगे। ऐसा कहने के 24 घंटे के भीतर वह भारत पर टैरिफ 25 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर देते हैं। इसे और बढाने के संकेत ही नहीं धमकी भी देते हैं। ऐसे में भारत करे तो क्या करे। ट्रम्प को किसी कि नहीं सुननी है।

जब जो मन में आये करना है। दुनिया के ज्यादातर देशों पर मनमाफिक टैरिफ लगा दी है। उनको लगता है कि इसी से मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) होगा।

ऐसे में भारत और दूसरे देश जिनकी अमेरिकी से कोई अदावत नहीं थी, करें तो क्या करें? अब तो उनकी मजबूरी है कि वे अमेरिका विरोधी गुट में शामिल हों या, अमेरिका से दूरी बना लें, भले ही उनका नुकसान ही क्यों न हो। अगर वे अमेरिका से दूरी बनाते हैं, तो भी अमेरिका का ही नुकसान होना है, और रूस या चीन के खेमे में जाते हैं, ब्रिक्स जैसे संगठन में जाते हैं, तो भी अमेरिका को ही नुकसान होगा।

सच यह है कि ट्रंप का टैरिफ वाश्तव में वैश्विक बाजारों में उपलब्ध सश्ते सामानों पर एक कर है, जिसका बोझ कम आय वाले अमेरिकी परिवारों पर पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर भारत से बड़े पैमाने पर फ़ार्मा की सप्लाई होती है और इस टैरिफ़ के बाद भारतीय दवाओं के दाम डेढ़ गुने अधिक हो जाएँगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह टैरिफ़ भारत सरकार या उन कंपनियों को नहीं देना है बल्कि अमेरिका की जनता को देना है।

सच यह भी है कि इससे निजात पाने के लिए न तो रातों रात अमेरिका में इतनी फैक्टरियां खुल जायेंगी कि वे अमेरिकियों को सश्ते दाम पर जरूरी प्रोडक्ट दे सकें, न ही वहां श्रम इतना सश्ता हो सकता है जो ऐसा संभव कर दिखाए। भारत, ब्राजील और चीन जैसे देशों को छोड़कर दूसरे किसी देश के पास इतनी क्षमता नहीं है कि वह अमेरिका को हाल फिलहाल पर्याप्त मात्रा में जरूरी सप्लाई दे सके। तो जाहिर है कि वहां उत्पादों की किल्लत होगी जिसका खामियाजा आम अमेरिकियों को भुगतना पड़ेगा जो अमेरिका की अर्थव्यवस्था को कमजोर करेगी।

अमेरिकी टैरिफ को लेकर दुनियाभर के देश किस कदर लामबंद हो रहे हैं, उसका अंदाज़ा टैरिफ को लेकर मचे घमासान के बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने डोनाल्ड के बयान से देखा जा सकता है जिन्होंने यहाँ तक कह दिया कि वह ट्रंप से बात नहीं करेंगे, उसकी जगह वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति से बात करेंगे।

भारत ने भी कूटनीतिक मर्यादा के तहत चुप्पी रखने के बाद अब जवाब देना आरम्भ कर दिया है। चीन पहले से ही जवाब दे रहा है। रूस से तो अमेरिका का छत्तीस का आंकड़ा है ही। ट्रंप भारत के साथ जो कर रहे हैं उसका झटका भारत आसानी से झेल लेगा। देर सबेर अमेरिका ही एक बार फिर से झुकेगा। अगर ट्रम्प वाश्तविकता को समझने में देर लगाते हैं तो जितनी देर होगी, अमेरिका उतना ही कमजोर होगा। ऐसा ही उसे कई अन्य देशों के मामलों में भी करना पड़ेगा जो अमेरिका को आर्थिक रूप से और कमजोर करने का काम करेगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

मेडिकल कॉलेज में जुड़े हुए पैदा हुए दो शिशु, जन्म के 48 घंटे में ही दोनों की मौत

मेरठ , एजेंसी। एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज में जुड़े हुए पैदा हुए दोनों शिशुओं की मौत हो गई है। शव उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिए गए। मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में दुर्लभ जुड़े हुए दो शिशुओं का जन्म हुआ था।

बागपत जिले की पहली बार गर्भवती हुई 24 वर्षीय महिला ने इन बच्चों को जन्म दिया था। दोनों भ्रूणों की वक्ष एवं उदर गुहा संयुक्त थी। उनके यकृत और हृदय जैसे आंतरिक अंग साझा थे। बुधवार को बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नवरत्न ने बताया कि दोनों शिशुओं की मृत्यु हो गई है। इस तरह जुड़े हुए शिशु होना अत्यंत दुर्लभ है। लगभग एक लाख में से केवल एक मामला ऐसा होता है।

अधिकांश संयुक्त जुड़वा शिशु मृत जन्म लेते हैं या जन्म के तुरंत बाद जीवित नहीं रह पाते। जो जीवित रहते हैं, वे प्रायः शरीर के किसी हिस्से जैसे छाती, पेट या श्रोणि से जुड़े होते हैं और कभी-कभी आंतरिक अंग भी साझा करते हैं। अगर संभव हो, तो ऐसे जुड़वा बच्चों को शल्य क्रिया द्वारा अलग किया जा सकता है, लेकिन सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वे किस हिस्से से जुड़े हैं और कौन से अंग साझा कर रहे हैं।

मानसिक अस्वस्थ महिला को चोर समझकर ग्रामीणों ने घेरा

बीसलपुर। गांव परसिया में मंगलवार की देर रात ग्रामीणों ने मानसिक अस्वस्थ महिला को चोर समझकर घेर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। मंगलवार देर रात एक मानसिक अस्वस्थ महिला कहीं से परसिया गांव पहुंच गई। ग्रामीणों ने महिला को चोर समझकर चारों ओर से घेर लिया। ग्रामीण उस महिला से तरह-तरह के सवाल करने लगे। महिला कुछ सवालों के जवाब दे रही थी, कुछ के नहीं दे रही थी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने महिला से पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के गांव महेशापुर में रहने वाले महिला के परिजनों को मौके पर बुलाया। परिजन महिला को अपने साथ ले गए। इस बाबत कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि महिला मानसिक अस्वस्थ थी। महिला को उसके परिजनों के हवाले कर ग्रामीणों का भ्रम दूर कर दिया गया।

पूर्व एमएलसी डॉ. सरोजनी अग्रवाल के पति व बेटी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज

मेरठ , एजेंसी। दौराला थाने में मंगलवार को न्यायालय के आदेश पर पूर्व एमएलसी डॉ. सरोजनी अग्रवाल के पति डॉ. ओमप्रकाश, बेटी निमा अग्रवाल व दो अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ। पीड़िता रितु सचदेवा का आरोप है कि आरोपियों ने समाजवादी आवसीय योजना में दो फ्लैट व तीन साल में पैसे दो गुना करने के नाम पर दस लाख रुपये का धोखाधड़ी से निवेश कराया था। पीड़ित ने अपनी धनराशी वापस मांगी थी। महिला ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। दौराला पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में लग गई है।

मवाना थाना क्षेत्र के मोहल्ला मुन्ना लाल हस्तिनापुर रोड निवासी रितु सचदेवा ने बताया कि 2015 में उनकी मुलाकात अनुराग गर्ग निवासी नेहरू नगर थाना सिविल लाइन से हुई थी। आरोपी ने अपने साथी अखिलेश चौहान निवासी गाजियाबाद और दयानंद अस्पताल के मालिक डॉ. ओमप्रकाश व उसकी बेटी निमा अग्रवाल निवासी जवाहर क्वार्टर लालकुर्ती से मुलाकात कराई थी।

पीड़िता के अनुसार 2015 में लावड़ रोड पर समौली गांव के पास समाजवादी आवसीय योजना के तहत मकान व फ्लैट बनाने का काम शुरू हुआ था। आरोपी अनुराग व अखिलेश चौहान ने दो फ्लैट दिखाए थे। साथ ही दोनों आरोपियों ने पैसे को तीन साल में दोगुना करने की बात कही थी। पीड़िता ने आरोपियों के कहने पर दोनों फ्लैट के नाम पर 10 लाख रुपये दि दिए थे। पीड़िता के अनुसार कुछ समय बाद खुद के साथ धोखाधड़ी का एहसास हुआ। उसने आरोपियों से पैसे लौटाने के लिए कहा। मगर आरोपियों ने न तो पैसे लौटाए और न ही फ्लैट दिए। इस प्रकरण में पूर्व में भी थाना दौराला में मुकदमा दर्ज है।

विजन-2051: सबसे पहले न्यू कानपुर सिटी और अटलनगर योजना होंगी विकसित, 22 विकास कार्य होंगे

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में विजन-2051 के तहत सबसे पहले बहुप्रतीक्षित न्यू कानपुर सिटी योजना विकसित होगी और छह मल्टीलेवल पार्किंग बनेंगी। पीपीपी मॉडल पर लांच होने वाली केडीए की पहली अटलनगर योजना के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट) आमंत्रित किया गया है। 12 चौराहों के साथ ही पार्कों के सुंदरीकरण का खाका भी तैयार कर लिया गया है। केडीए ने ए, बी और सी श्रेणियों में करीब 10,987 करोड़ से 22 विकास कार्य कराने का खाका खींचा है। सबसे पहले ए-श्रेणी के कार्य होंगे।

बुधवार को केडीए सचिव अभय कुमार पांडेय ने बैठक कर विजन-2051 की समीक्षा की। केडीए न्यू कानपुर सिटी विकसित करने की तैयारियां कर रहा है। इसी बीच मैनावती मार्ग से गंगा बैराज राज्य मार्ग को जोड़ने के लिए 800-800 मीटर की दो लिंक रोड बनाने का फैसला हुआ। इसके लिए काश्तकारों से तीन एकड़ जमीन अधिग्रहित की जाएगी। बैठक में गाटा संख्या और सड़क की ड्राइंग तय हुई। जमीन अर्जन का प्रस्ताव भी जिलाधिकारी को भेजा गया।

एक साल में शुरू होंगे ये कार्य: ए-श्रेणी में ऐसी परियोजनाएं ली गई हैं, जिन्हें केडीए खुद के वित्तीय स्रोतों से विकसित करेगा। एक-एक कर यह सभी कार्य एक साल में शुरू करने का खाका खींचा गया है। केडीए की तरफ से तैयार की गई सूची में इन योजनाओं में से पहले नंबर पर न्यू कानपुर सिटी को रखा गया है। इस योजना की लागत 1,169 रुपये है। इसी तरह 90 करोड़ रुपये से बिनगवां रोड का चौड़ीकरण व अर्रा रोड तक विस्तार और बर्रा विश्वबैंक रोड 24 मीटर चौड़ी की जाएगी। ये कार्य क्षेत्रीय अवस्थापना निधि से कराए जाएंगे। इसी निधि से महावीरनगर पनकी में 20 मिलियन लीटर डेली क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, 120 करोड़ से 12 चौराहों का सुंदरीकरण और 110 करोड़ से केडीए की योजनाओं में पार्कों का सुंदरीकरण कराया जाएगा।

पीपीपी मॉडल पर बसेगा अटलनगर: बी श्रेणी में केडीए पीपीपी मॉडल पर लैंड पूलिंग के तहत पहली आवासीय योजना विकसित करेगा। इस मॉडल के तहत रूमा के पास स्थित ग्राम उचटी में अटलनगर टाउनशिप विकसित की जाएगी। इसमें करीब 550 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अग्रिम कार्ययोजना तैयार करने के साथ ही शासन से बजट मांगा जा रहा है। इसी तरह सी-श्रेणी में ग्रेटर कानपुर सहित उन 16 प्रस्तावों को शामिल किया गया है जिन्हें केडीए शासन से प्रति वर्ष उपलब्ध कराए गए बजट से नहीं कर सकता और उनके लिए अलग से धनराशि की आवश्यकता है।

शादी का झांसा देकर रेलकर्मी का किया यौन शोषण, संभल के दरोगा पर केस दर्ज

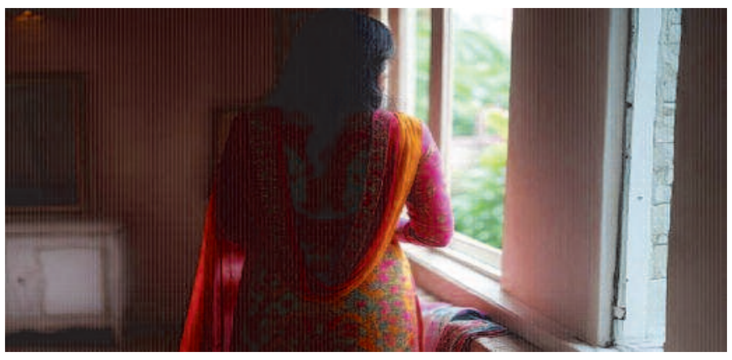

गोरखपुर , एजेंसी। शाहपुर इलाके की रहने वाली एक युवती ने संभल में तैनात दरोगा अमरदीप पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। युवती रेलकर्मी है। उसका आरोप है कि शादी डॉट कॉम से परिचय होने के बाद दरोगा गोरखपुर आया था।

पीड़िता की मां से शादी की बातचीत करने के बाद घूमने के बहाने एक होटल में ले गया और वहीं पर संबंध बनाया। शाहपुर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी मां विधवा हैं और भाई छात्र है। विवाह के लिए बहुत भागदौड़ करने वाला दूसरा कोई नहीं है।

इसी वजह से शादी डॉट कॉम पर पंजीकरण कराया। बताया कि इसी प्लेटफॉर्म से वह दरोगा अमरदीप के संपर्क में आई। वह विवाह के लिए तैयार हो गया और 17 अगस्त 2024 को गोरखपुर आया। यहां आकर उसने मां से बातचीत की और फिर साथ में घुमाने के लिए ले गया। आरोप लगाया कि वह मोहद्दीपुर स्थित एक होटल में ठहरा था और वहीं पर ले जाकर तीन दिनों तक शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद वह 14 सितंबर 2024 को गोरखपुर आया। फिर 21 सितंबर 2024 को संभल अपने आवास पर भी बुलाकर चार दिन तक रखा और इस दौरान कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 24 नवंबर 2024 को अमरदीप के पिता घर आए और उनकी नौकरी व वेतन आदि की भी जानकारी ली। आश्वासन दिया कि जनवरी 2025 में विवाह होगा। इसके बाद अमरदीप, उनके पिता संत सरोज व उनकी माता व उनकी बड़ी बहन शिल्पी सभी लोग दहेज में 20 लाख रुपये की मांग करने लगे। जब इतनी बड़ी रकम न दे पाने की बात मां ने कही तो चरित्र पर लांछन लगाते हुए शादी से इन्कार कर दिया। पीड़िता ने बताया कि इसकी शिकायत आठ जनवरी 2025 को संभल के पुलिस अधीक्षक से मिलकर की तो सीओ को जांच दी गई। प्रार्थना पत्र को मीडिएशन सेंटर महिला थाना संभल को भेजा गया, जहां पर बार-बार दौड़ती रही। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने कहा कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

नो पार्किंग जोन में खड़े हो रहे वाहन, लोगों की परेशानी बढ़ी

संत कबीर नगर, एजेंसी। शहर के मेंहदावल बाईपास रोड को नो-पार्किंग जोन घोषित किया गया है। इसके लिए बाकायदा बोर्ड भी लगाया गया है। इसके बाद भी नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े कर सवारियां भरी जा रही हैं। इससे अक्सर जाम की स्थिति बन जा रही है। यातायात पुलिस समय-समय पर कार्रवाई कर रही है, लेकिन अब भी स्थिति में सुधार नहीं हो सका है। ऐसे में लोगों को दुश्वारियां झेलनी पड़ रही हैं।

शहर में जाम की समस्या को दूर करने के लिए मेंहदावल बाईपास चौराहा का विकास कराया गया है।

इसके लिए दोनों पटरियों के किनारे पाथवे बना है। साथ ही दीवार बनाई गई है, जिससे सड़क पर आवागमन सुचारू रूप से चल रहे। करीब पांच सौ मीटर दायरे को नो पार्किंग जोन घोषित कर दोनों तरफ नो पार्किंग जोन का बोर्ड भी लगाया गया है। इसके बाद भी बखिरा, मेंहदावल की तरफ जाने वाले ऑटो और अन्य वाहन नो पार्किंग जोन में खड़े होकर सवारियां भर रहे हैं।

इससे आए दिन इस मार्ग पर जाम लग जा रहा है। यही नहीं प्राइवेट बसें भी इस नो पार्किंग जोन में खड़ी कर दी जा रही हैं, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, मेंहदावल बाईपास पर यातायात व्यवस्था में लगाए गए कर्मी इन वाहनों को समय-समय पर हटाते हैं, लेकिन फिर चालक वहीं पर वाहन खड़ा कर सवारियां भरने में जुट जा रहे हैं। क्षेत्र के रामशंकर, उदयराज आदि ने बताया कि प्रशासन की मंशा थी कि नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े नहीं होंगे तो जाम नहीं लगेगा, लेकिन इस मंशा पर पानी फिर रहा है।

नए ब्लॉक कार्यालय के पास बनाया गया है वाहन स्टैंड: शहर में नए ब्लॉक कार्यालय के पास मेंहदावल की तरफ आने-जाने वाले वाहनों के लिए वाहन स्टैंड बनाया गया है। निर्देश है कि इस मार्ग पर जाने वाले वाहन नए ब्लॉक कार्यालय के पास ही खड़ा किए जाए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। क्षेत्र के निवासी राहुल कुमार, राजकुमार आदि ने कहा कि यदि स्टैंड पर वाहन खड़ा किए जाए तो समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है।

दो महीने बाद फिर से ट्रॉमा सेंटर लौटाए गए रेजिडेंट, लात मारकर कुर्सी हटाने पर शुरू हुआ था विवाद

वाराणसी , एजेंसी। आईएमएस बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में मई के अंतिम सप्ताह में सर्जरी विभाग के प्रो. एसपी मिश्रा और ट्रॉमा सेंटर स्थित कैंटीन के कर्मचारी के बीच विवाद के बाद जिन रेजिडेंट को सर्जरी विभागाध्यक्ष ने वापस बुलाया था। उसमें से आठ की तैनाती एक बार फिर ट्रॉमा सेंटर में कर दी गई है। इसका आदेश 31 जुलाई को जारी किया गया है। 26 मई को घटना के पांचवें दिन 30 मई को एक आदेश जारी कर पहले आठ और बाद में तीन रेजिडेंट को ट्रॉमा सेंटर से हटाने के बाद आईएमएस निदेशक और विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति ने भी अपील की थी। इसके बाद भी रेजिडेंट को वापस ट्रॉमा सेंटर की तैनाती में दो महीने का समय लग गया।

ट्रॉमा सेंटर परिसर में 26 मई को मरीजों को देखने जाते समय सर्जरी विभाग के प्रो. एसपी मिश्रा द्वारा कैंटीन के बाहर रखी कुर्सी को लात मारकर हटाने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। सोशल मीडिया पर इसका फोटो और वीडियो भी वायरल हुआ था। कैंटीन कर्मचारी ने भी अपशब्द कहने, दुर्व्यवहार की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी।

30 मई को ही शाम को आईएमएस निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने एक अपील जारी कर सभी को काम पर लौटने को कहा था। मामले में तत्कालीन वीसी प्रो. संजय कुमार के निर्देश पर कुलसचिव कार्यालय ने 11 जून को आईएमएस निदेशक को एक पत्र लिखकर रेजिडेंट को हटाने के फैसले पर आपत्ति जताई थी।

रफ्तार पकड़ेगी इंटीग्रेटेड टाउनशिप: 50 हेक्टेयर में जनवरी से शुरू होगी प्लॉटिंग, मेरठ में निवेशकों को होगा लाभ

मेरठ , एजेंसी। इंटीग्रेटेड टाउनशिप के मुख्यमंत्री योगी भूमि पूजन व शिलान्यास के साथ ही यह प्रोजेक्ट अब तेजी से रफ्तार पकड़ेगा। पहले फेज में मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) 50 हेक्टेयर में ब्लॉक तैयार करेगा। इसमें जनवरी से प्लॉटिंग होगी। मंगलवार को मेडा उपाध्यक्ष ने बैठक कर टाउनशिप को प्राथमिकता देते हुए तेजी के निर्देश दिए। टाउनशिप में चौड़ी सड़कें होंगी।

आसपास के गांवों से फीडर मार्ग के जरिए कनेक्टिविटी होगी। एनसीआरटीसी की ओर से ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट प्लान (टीओडी) के तहत जोनल प्लान तैयार किया गया है। शासन में प्रजेंटेशन के बाद चीफ टाउन एंड कंट्री प्लानर (सीटीसीपी) की ओर से कुछ सुधार के निर्देश दिए हैं।

सुधारों को समाहित कर फिर से शासन को भेजा जाएगा, वहां से स्वीकृति के बाद टाउनशिप का लेआउट तैयार होगा। टाउनशिप में आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षिक, ग्रुप हाउसिंग, अस्पताल, हेल्थ क्लब आदि के लिए प्लॉट होंगे। इनमें उच्च आय, मध्यम आय, अल्प आय और दुर्बल आय वर्ग के लिए मकान और प्लॉट होंगे। टाउनशिप में निवेशकों को लाने के लिए ग्रुप हाउसिंग के प्लॉट भी होंगे। मेडा स्वयं और निजी निवेशकों के जरिए टाउनशिप को विकसित करेगा।

महायोजना 2021 करीब 500 वर्ग किमी. की थी। अब महायोजना-2031 बढ़कर 1043 वर्ग किमी. की हो गई है। पूरे क्षेत्र को 24 जोन में बांटकर प्लान तैयार होगा। दिल्ली रोड, रुड़की रोड को रैपिड कॉरिडोर के तहत विकसित किया जा रहा है।

परतापुर-भूड़बराल में 288.79 हेक्टेयर और मोदीपुरम में 457.06 हेक्टेयर में स्पेशल डवलपमेंट एरिया (एसडीए) है। टीओडी के तहत सात जोन का प्लान बनाया गया। बाद में दो जोन और जोड़ दिए गए। हाल ही में नौ जोन के प्लान का प्रेजेंटेशन हुआ। वहां से स्वीकृति के बाद बोर्ड बैठक में मंजूरी दी जाएगी और इंटीग्रेटेड टाउनशिप का ले-आउट बनेगा।

रियल एस्टेट डवलपर्स एसोसिएशन (रेडा) के महामंत्री कमल ठाकुर कहते हैं कि इंटीग्रेटेड टाउनशिप से व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। निवेश तो बढ़ेगा ही, आसपास के क्षेत्रों के लोग भी मेरठ में रिहाइश बनाएंगे।

ये है टीओडी पॉलिसी

-आरआरटीएस कॉरीडोर के डेढ़ किमी. की परिधि और आरआरटीएस स्टेशन के 500 मीटर दोनों ओर का क्षेत्र इसके तहत आएगा।

-परतापुर व मोदीपुरम दोनों छोर पर एसडीए होगा, जबकि स्टेशन पर इंफ्लुएंस जोन (आईजेड) होंगे। इन क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़वा दिया गया है। मिश्रित भू-उपयोग के अंतर्गत काम होंगे।

बलिया में भड़के परिवहन मंत्री, बोले- मेरे शहर में रहते नहीं बुलाया, कैसे खोला नया पुल

बलिया , एजेंसी। एनएच-31 के कटहल नाला पर बने नए पुल को मंगलवार की देर रात बिना सूचना के आवागमन के लिए चालू करने पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह नाराज हो गए। वह मौके पर पहुंचे और पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन से कहा कि मेरे शहर में रहते हुए पुल खोलने से पहले सूचना क्यों नहीं दी। इसका उद्घाटन क्यों नहीं कराया गया।

इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें मंत्री सड़क पर पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड के एक्सईएन को जमकर फटकार लगाते दिख रहे हैं। वायरल वीडियो में परिवहन मंत्री एक्सईएन से कहते दिख रहे है कि बिना क्षेत्रीय विधायक व नगर पालिका अध्यक्ष को बताए पीडब्ल्यूडी ने पुल को शुरू कैसे करा दिया। जबकि मैं शहर में ही मौजूद था।

अगर इतनी ही जल्दी थी तो मेरे से इसका उद्घाटन क्यों नहीं कराया गया। मंत्री ने पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन पर सरकार विरोधी काम का आरोप लगाया।

खतरे के निशान से नीचे आया गंगा का जलस्तर, यमुना का पानी भी तेजी से घट रहा

प्रयागराज , एजेंसी। अपना रौद्र रूप दिखाने के बाद गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। छतनाग घाट पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे पहुंच गया है। यमुना के जलस्तर में भी तेजी से कमी दर्ज की जा रही है। इससे तराई और कछारी इलाके के लोगों के घरों और मुहल्लों से पानी तेजी से कम हो रहा है। यमुना के जलस्तर में गिरावट सोमवार शाम से ही शुरू हो गई थी जो मंगलवार को भी जारी रही। सिंचाई विभाग की मंगलवार की शाम की रिपोर्ट के अनुसार, यमुना में गिरावट में तेजी आई है। फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में भी प्रति घंटा एक सेमी की गिरावट दर्ज की गई। गंगा का जलस्तर 10 सेंटीमीटर और यमुना का जलस्तर पांच सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कम हो रहा है।

राहत की बात यह भी रही कि गंगा और यमुना का जल तेजी से निकल रहा है। इसका नतीजा रहा कि छतनाग में जलस्तर में प्रतिघंटा तीन सेमी की गिरावट दर्ज की गई। पानी कमें कमी बुधवार को भी देखी गई। 24 घंटे की स्थिति पर नजर डालें तो यमुना में करीब एक मीटर और गंगा में आधा मीटर पानी कम हुआ है। दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट को लेकर सिंचाई विभाग के अफसरों के संकेत सकारात्मक हैं। अधिशासी अभियंता दिग्विजय सिंह का कहना है कि फिलहाल दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट जारी रहने की उम्मीद है।

अब खाने-पीने के भी लाले: प्रयागराज। बाढ़ की अवधि बढ़ने के साथ इसमें फंसे लोगों की दुश्वारियां भी बढ़ती जा रही हैं। बाढ़ पीड़ितों के बीमार पड़ने की शिकायतें बढ़ने के साथ ही भोजन-पानी का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। प्रशासन की ओर से मंगलवार को अलग-अलग क्षेत्रों में भोजन के पैकेट और राहत सामग्री वितरित कराई गई लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। सलोरी के रमेश पुरोहित, छोटा बघाड़ा में फंसे दुर्गेश कुशवाहा, म्योराबाद की रंगीता आदि बाढ़ का दंश झेलने को मजबूर हैं।

नाकाफी साबित हो रहीं नावें और मोटर बोट: बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने और लाने-ले जाने के लिए 323 नावें व तीन मोटर बोट लगाई गई हैं। सदर तहसील के अंतर्गत 133 नावें चलाई जा रही हैं लेकिन इनका लाभ सभी प्रभावितों को नहीं मिल पा रहा है। कई क्षेत्रों में नावें पहुंच ही नहीं पा रही हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से खाने के पैकेट, लाई-चना समेत अन्य राहत सामग्री पहुंचाई गई लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। लोग कंट्रोल रूम के अलावा अन्य लोगों को लगातार फोन करते रहे लेकिन मदद नहीं मिली।

खेती को नुकसान, मांगी गई रिपोर्ट: बाढ़ की चपेट में आने से हजारों एकड़ फसल जलमग्न हो गई है। जिला प्रशासन की ओर से इस नुकसान का आकलन कराया जाएगा। इसके लिए सर्वे शुरू हो गया है। इस बाबत तहसीलों और ब्लॉकों से प्रभावित क्षेत्र, बोया गया क्षेत्र, कटान की स्थिति, तीन इंच से अधिक गाद वाली खेती योग्य भूमि का क्षेत्रफल, फसल क्षति आदि बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है।

क्या भारत की टी-20 टीम में राहुल की होगी वापसी?

493 विकेट वाले पूर्व खिलाड़ी ने चयनकर्ताओं को लेकर कही बात

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम को अब टी20 क्रिकेट पर फोकस करना है। सितंबर में एशिया कप होना है। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति जल्द ही इस टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करेगी। चयनकर्ताओं के लिए टीम का चयन आसान नहीं होने वाला है। भारत की टी20 टीम की बात करें तो बीते कुछ समय में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने मौके को दोनों हाथों से लपका है। एशिया कप से पहले शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर की वापसी की मांग तेज हो गई है। इस बीच भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश ने गिल और श्रेयस के अलावा केएल राहुल की टी20 टीम में वापसी की मांग कर दी है। 493 विकेट वाले कर्नाटक के पूर्व खिलाड़ी ने कहा है कि भारत की टी20 टीम चुनने में चयनकर्ताओं को सिरदर्दी होने वाली है।

3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर

डोडा गणेश ने एक्स पर कहा, चयनकर्ताओं को श्रेयस अय्यर, गिल और केएल राहुल को टी20 टीम में शामिल करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। राहुल की बात करें तो वह लगभग 3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर हैं। वह टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद से इस फॉर्मेट में भारत के लिए नहीं खेले हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वह आखिरी बार खेले थे।

राहुल की वापसी मुश्किल

केएल राहुल के बगैर भारतीय टीम 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीत चुकी है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और इशान किशन जैसे खिलाड़ी भी टीम से बाहर हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने मौके का भरपूर फायदा उठाया है। ऐसे में राहुल की टी20 टीम वापसी काफी मुश्किल है। भारतीय टीम जिस टैम्पलेट पर टी20 क्रिकेट खेल रही है उसमें दाएं हाथ का बल्लेबाज शायद ही फिट हो।

श्रेयस अय्यर को मिलने वाली है खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर आईपीएल के बाद से क्रिकेट के मैदान पर काफी कम दिखाई दिए हैं, अब खबरे हैं कि ये खिलाड़ी एशिया कप में नजर आएगा. रिपोर्ट्स हैं कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और चयनकर्ता श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया में मौका दे सकते हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक अगस्त के तीसरे या चौथे हफ्ते में एशिया कप के लिए टीम इंडिया का चयन होगा, इसके साथ-साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम चुनी जाएगी और इन दोनों ही टीमों में श्रेयस अय्यर को मौका मिलने वाला है. श्रेयस अय्यर इसलिए एशिया कप और टेस्ट फॉर्मेट में वापसी के बड़े दावेदार हैं क्योंकि टीम को अनुभव की जरूरत है. अय्यर हैं तो तीस साल के लेकिन उन्होंने काफी ज्यादा क्रिकेट खेला है. उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के प्रेशर का भी अनुभव है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अय्यर एशिया कप में मिडिल ऑर्डर में खेलते दिख सकते हैं. स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनकी अच्छी बल्लेबाजी भी उनकी वापसी का दावा ठोक रही है. यही वजह है कि भारत में वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनका सेलेक्शन तय माना जा रहा है. फिलहाल श्रेयस अय्यर का सेलेक्शन वेस्ट जोन टीम में हुआ है. वो दिलीप ट्रॉफी में 28 अगस्त से नजर आएंगे.

श्रेयस अय्यर ने रन भी खूब बनाए हैं

श्रेयस अय्यर ने अपनी बैटिंग से भी सेलेक्टर्स को उन्हें चुनने के लिए मजबूर सा कर दिया है. इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 में कमाल ही कर दिखाया. टूर्नामेंट में पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए. अय्यर की बैटिंग एवरेज भी 50 से ज्यादा की रही. उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स आईपीएल फाइनल तक पहुंची लेकिन खिताबी जंग में उसे आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा.

धोनी ने सीएसके के साथ भविष्य पर दिया बयान, यह चेन्नई के लिए अच्छा है

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर काफी चर्चा हो रही है। आईपीएल 2025 के दौरान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद धोनी ने एक बार फिर ष्टस्य की कप्तानी संभाली, लेकिन पूरा सीजन धोनी के संन्यास की अफवाहों से भरा रहा। हालांकि खुद धोनी या फ्रैंचाइजी ने इस पर कुछ नहीं कहा। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज से एक बार फिर उनके सीएसके में भविष्य के बारे में पूछ गया और उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब दिया। धोनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास फैसला करने के लिए बहुत समय है, लेकिन अगर आप पीली जर्सी में वापसी के बारे में पूछ रहे हैं, तो मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है। मैं और ष्टस्य हम साथ हैं। आप जानते हैं, अगले 15-20 सालों तक भी। मुझे उम्मीद है कि उन्हें नहीं लगता कि मैं अगले 15-20 साल और खेलूंगा। धोनी 2008 में पहले आईपीएल सीजन से ही सीएसके का हिस्सा रहे हैं और उनकी कप्तानी में उन्होंने रिकॉर्ड 5 बार खिताब जीता है। धोनी ने टीम के साथ अपने रिश्ते और टीम व शहर के साथ अपने संबंधों के विकास के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में यह रिश्ता और मजबूत हुआ है। इसने मुझे एक व्यक्ति के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। इसने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। सीएसके बस यूं ही बन गया। मुझे लगता है कि यह चेन्नई के लिए अच्छा है। इसलिए, आज यह मेरे लिए भी अच्छा है।

अंडर 22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप:

नीरज, ईशान, यात्री और प्रिया फाइनल में पहुंचे

बैंकॉक, एजेंसी। नीरज (पुरुष, 75 किलोग्राम) और ईशान कटारिया (पुरुष, 90+ किलोग्राम), यात्री पटेल (महिला, 57 किलोग्राम), प्रिया (महिला, 60 किलोग्राम) ने बुधवार को बैंकॉक में अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में अपने-अपने भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। नीरज ने अपनी स्पीड और काउंटर अटैक का फायदा उठाते हुए दक्षिण कोरिया के क्योंघो बैंग को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद ईशान कटारिया भी फाइनल में पहुंचे, जहां उन्होंने अपने लंबे कद और दमदार मुक्कों के साथ चीन के चेन चेन पर दबदबा बनाया। आलम यह रहा कि चीनी मुक्केबाज को बुरी तरह पिटता देखकर रेफरी को तीसरे राउंड में मुकाबला रोकना पड़ा।

यात्री पटेल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं। उन्होंने लेफ्ट-राइट पंच के कॉम्बिनेशन का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए वियतनाम की थी नुंग क्वांड को 57 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। कुछ मिनट बाद, प्रिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की ओडिनाखोन इस्मोइलोवा को शिकस्त देकर महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

अंडर-19 और अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ हो रहा है। भारत ने इन दोनों आयु वर्गों में कुल 40 मुक्केबाजों को उतारा है, जिसमें घरेलू स्तर पर प्रभावित करने वाली युवा प्रतिभाओं और अनुभवी चैंपियंस का बेहतरीन संयोजन देखने को मिल रहा है। सेमीफाइनल में पहुंचे चार अन्य भारतीय मुक्केबाजों में रॉकी चौधरी दुर्भाग्यशाली रहे। उन्हें ईरान के सैम एस्ताकी के खिलाफ बाउट में दोनों भौहों पर कट लगा। इसके चलते रेफरी ने उन्हें दूसरे राउंड में मुकाबला जारी रखने की अनुमति नहीं दी। वहीं, हर्ष (60 किलोग्राम) और मयूर (90 किलोग्राम) ने अपने-अपने मुकाबलों में पूरा दमखम दिखाया, लेकिन जजों के विभाजित फैसले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हर्ष को उज्बेकिस्तान के शोहरूह अब्दुमालिकोव से 1-4 से हार मिली, जबकि मयूर को उसी देश के शखजोद पोल्वोनोव के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

अन्य भारतीय मुक्केबाज अंकुश को कजाकिस्तान के सानझर-अली बेगालियेव के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, यह चारों मुक्केबाज कांस्य पदक के साथ देश लौटेंगे। भावना शर्मा अपनी क्वार्टरफाइनल की फॉर्म को दोहरा नहीं सकीं। उन्हें महिलाओं के 48 किलोग्राम भारवर्ग में उज्बेकिस्तान की रोबियाखोन बख्तियोरोवा से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

लुइस सुआरेज और डी पॉल ने इंटर मियामी को लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने टीम के तीसरे और अंतिम लीग कप 2025 चरण के एक मुकाबले में लीगा एमएक्स पुमास उनम पर 3-1 की जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। दिग्गज स्ट्राइकर लुइस सुआरेज की टीम की जीत में अहम भूमिका रही। सुआरेज ने एक गोल और दो असिस्ट के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने क्लब के लिए अपना पहला गोल किया और तादेओ अलेंदे ने गोल किया। उनम की तरफ से 34वें मिनट में जॉर्ज रुवाल्काबा ने एकमात्र गोल किया।

यह मैच का पहला गोल था। इंटर मियामी की तरफ से पहला गोल 45वें मिनट में लगा। ये गोल डी पॉल ने लगाया। डी पॉल ने लुइस सुआरेज की लेफ्ट विंग से आई गेंद को सीने से रोका, फिर नीचे-दाएं कोने में एक बेहतरीन आउटसाइड-ऑफ-द-फुट फिनिश के साथ गोल किया। यह असिस्ट सुआरेज का टूर्नामेंट में पहला और 2025 में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 14वां था। सुआरेज ने 59वें मिनट में पेनेंका के पेनल्टी स्पॉट पर किए गए गोल के साथ इंटर मियामी के लिए स्कोरलाइन पलट दी। इस गोल के साथ ही इस सीजन में की प्रतियोगिताओं में उनके गोलों की संख्या 10 हो गई। अलेंदे ने 69वें मिनट में इंटर मियामी के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के लिए भी सुआरेज ने असिस्ट किया था। यह सीजन में अलेंदे का 11वां गोल था।

शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामित किए गए हैं। इसमें जुलाई 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले तीन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

नॉमिनेट किए गए खिलाड़ियों में गिल के अलावा, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर शामिल हैं। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 75.40 की औसत के साथ 754 रन बनाए। बर्मिंघम में खेले गए मैच में उन्होंने 269 और 161 रन की पारी खेली थी। शुभमन गिल ने इस टेस्ट सीरीज 147, 8, 269, 161, 16, 6, 12, 103, 21 और 11 रन की पारी खेली। कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज खेलते हुए गिल ने स्थिरता और आक्रामक स्वभाव का मिश्रण दिखाया। फैंस उन्हें विराट कोहली का उत्तराधिकारी मान रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने पांच मुकाबलों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की।

वहीं, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने चार मुकाबलों की सात पारियों में 43.43 की औसत के साथ 304 रन बनाए। इसमें शतकीय पारी भी शामिल है। इसके साथ ही स्टोक्स ने पूरी सीरीज में 17 विकेट भी हासिल किए। बेन स्टोक्स ने लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। लॉर्ड्स में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लैंड को 22 रनों से रोमांचक जीत दिलाई। दूसरी ओर, मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 265.5 की औसत से 531 रन बनाए। उन्होंने पहले टेस्ट की दूसरी इनिंग में 147 रनों की संयमित पारी खेली। मुल्डर ने बुलावायो में अपने करियर की सबसे बड़ी नाबाद 367 रनों की पारी खेली।

यह दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 15.28 की औसत से सात विकेट लिए। ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

लगा कंधा उखड़ जाएगा...

क्रिस वोक्स ने बताई ओवल टेस्ट की पीड़ा बोले- शुभमन गिल की बात ने दिल जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पेसर क्रिस वोक्स ने भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कंधे की गंभीर चोट के बावजूद बल्लेबाजी की थी. द गार्जियन से बातचीत में वोक्स ने उस पल में हुई तकलीफ और भावनाओं को साझा किया. उन्होंने बताया कि भारत के कप्तान शुभमन गिल ने उनकी हिम्मत की तारीफ की थी. वोक्स ने बताया- पहला शॉट सबसे दर्दनाक था. मैंने सिर्फ कोडीन ली थी और कंधा बहुत दुख रहा था.

फिर भी जब रन लेने की कोशिश की तो आदतन दौड़ पड़ा, जबकि हाथ बंधा हुआ था. उस वक्त सच में लगा कि कहीं कंधा फिर से बाहर न निकल गया हो. इसलिए आपने मुझे हेलमेट फेंकते, दांतों से ग्लव्स उतारते और कंधा चेक करते हुए देखा होगा. आखिरी में एटकिन्सन बोल्ड हो गए और

वोक्स को खेलने का मौका नहीं मिला. लेकिन फिर भी दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं, भारतीय टीम ने भी सम्मान दिखाया. मैच के बाद शुभमन गिल खुद वोक्स के पास आए. शुभमन गिल ने क्रिस वोक्स की बल्लेबाजी के बारे में क्या कहा? वोक्स ने कहा- शुभमन ने मुझसे कहा- ये बहुत बहादुरी भरा था. मैंने उसे जवाब दिया- तुम्हारी सीरीज शानदार रही, बहुत अच्छा खेला, और तुम्हारी टीम को भी क्रेडिट. वोक्स ने ये भी कहा कि अब भी बहुत निराश हूं कि वो फिनिश नहीं मिला जिसकी उम्मीद थी. लेकिन मैदान पर ना जाना कभी सोचा भी नहीं, चाहे जीत के लिए 100 रन भी बाकी होते. दर्शकों की तालियों ने अच्छा महसूस कराया और कुछ भारतीय खिलाड़ी भी सम्मान देने के लिए पास आए, लेकिन कोई और होता तो वो भी ऐसा ही करता. आप नौ विकेट पर मैच छोड़ नहीं सकते.

वोक्स को ओवल टेस्ट में कैसे चोट लगी थी?

क्रिस वोक्स को पहले दिन फील्डिंग करते समय कंधे में चोट लगी थी और इसके बाद उन्होंने मैच में हिस्सा नहीं लिया. लेकिन जब इंग्लैंड के नौ विकेट गिर गए और जीत के लिए 17 रन चाहिए थे, तब वोक्स पट्टी बंधे कंधे के साथ मैदान पर उतरे. ओवल के दर्शकों ने तालियों बजाकर उनका स्वागत किया. वो गस एटकिंसन का साथ देने उतरे थे.

ओलिंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोलीं-

बीएफआई अधिकारी ने मिसबिहेव किया-जूम पर मुझसे कहा- अपना सिर नीचे करो और जैसा हम कहते हैं वैसा करो

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलिंपिक गेम्स में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहन ने इंडियन बॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक रिटायर्ड कर्नल अरुण मलिक पर मिसबिहेव के आरोप लगाए हैं।

लवलीना ने अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है। 27 साल की मुक्केबाज ने 2 पेज की लिखित शिकायत की है। वहीं, कर्नल मलिक ने लवलीना के आरोपों को गलत बताया है। इंडियन ओलिंपिक संघ ने इन आरोपों की जांच शुरू कर दी है। आईओए ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है, जिसमें टॉप्स के सीईओ नछत्तर सिंह जोहल, टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और एक महिला वकील शामिल हैं। कमेटी को 2 हफ्तों में रिपोर्ट देनी है।